mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-226 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 अगस्त 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी ने देश के पहले 8 लेन एलिवेटेड हाईवे का उद्घाटन किया

पीएम मजदूरों से मिले, रोड शो किया ; द्वारका एक्सप्रेसवे गुरुग्राम-एयरपोर्ट के बीच जाम खत्म करेगा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (17 अगस्त) दिल्ली के रोहिणी में देश के पहले 8 लेन एलिवेटेड हाईवे द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (ER-2) का उद्घाटन किया। द्वारका एक्सप्रेसवे शुरू होने से गुरुग्राम से दिल्ली IGI एयरपोर्ट जाम खत्म होगा। इन दोनों प्रोजेक्ट पर 11 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी ने लोगों से भारतीय सामान खरीदने की अपील की।

वहीं कार्यक्रम में पहुंचने से पहले पीएम मोदी द्वारका एक्सप्रेसवे पर पहुंचे। जहां उन्होंने एक्सप्रेसवे पर काम करने वाले मजदूरों से बात कर उनके अनुभव जाने। इसके बाद अधिकारियों से प्रोजेक्ट की जानकारी ली।कार्यक्रम स्थल पर जाते हुए उन्होंने रोहिणी से लेकर बक्करवाला तक रोड शो किया। जिस दौरान हाईवे के दोनों किनारों पर खड़े लोगों का गाड़ी से बाहर निकलकर अभिवादन किया। दिल्ली के रोहिणी में हो रहे इस कार्यक्रम में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता और हरियाणा के सीएम नायब सैनी भी उनके साथ मौजूद हैं।

परियोजनाओं से दिल्ली और हरियाणा को काफी लाभ : गडकरी ने कहा- हमारे अधिकारियों ने आज काम जो किया है, वह बहुत अच्छा किया है। यदि काम अच्छा नहीं होता तो मैं नाराज भी होता। मैंने आज निरीक्षण किया, लेकिन काम अच्छा हुआ है। इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद देता हूं।

इन परियोजनाओं से दिल्ली और हरियाणा के लोगों को काफी लाभ होगा। इससे आधी दिल्ली को जाम से मुक्ति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने जो रोड मैप दिया है उसमें लॉजिस्टिक कॉस्ट को कम करने के लिए कहा गया है।

इसके लिए हम आईआईटी की मदद ले रहे हैं। इन्होंने अध्ययन किया है और बताया है कि हमारे देश में लॉजिस्टिक कास्ट में छह प्रतिशत की कमी आई है।

कई और भी ऐसी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, जिनके शुरू होने से देहरादून, उत्तर प्रदेश के कई शहरों का दिल्ली तक का सफर आसान होगा और समय भी कम लगेगा।

गडकरी ने कहा- 4 घंटे की जगह 45 मिनट में पहुंचा

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- मुझे दिल्ली आने में 4 घंटे लगते थे, लेकिन आज मैं 45 मिनट में पहुंचा हूं।ये जो छह परियोजनाएं हैं, ये 2001 से प्रस्तावित हैं, लेकिन पिछली दिल्ली की सरकारों ने काम नहीं किया।मनोहर लाल जी जब मुख्यमंत्री थे, जो हरियाणा दिल्ली को जोड़ने वाले द्वारिका एक्सप्रेस वे का काम हमने हाथ में लिया।इन परियोजनाओं को बनाने में काफी दिक्कतें आईं, लेकिन हरियाणा सरकार और दिल्ली सरकार के सहयोग के कारण हम इसे पूरा कर पाए।

दावा- यूट्यूबर एल्विश के घर भाऊ गैंग ने फायरिंग कराई

लिखा- सट्टा प्रमोट कर कई घर बर्बाद किए, बाकी सोशल मीडिया कीड़ों को भी वॉर्निंग

गुरुग्राम,एजेंसी। फेमस यूट्यूबर और बिग बॉस OTT विनर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर पर रविवार (17 अगस्त) की सुबह 6 बजे ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। बाइक पर आए 3 बदमाशों ने एल्विश के घर पर 24 गोलियां चलाई, जिनके खोल पुलिस को मौके से बरामद हुए हैं।

यह गोलियां एल्विश के घर की बालकनी, दीवारों और खिड़की और दरवाजों पर लगीं। जिस वक्त फायरिंग हुई घर में एल्विश नहीं थे। उनकी मां सुषमा यादव और केयरटेकर घर पर थीं। हालांकि घर के भीतर होने की वजह से उनकी जान बच गई। फायरिंग का पता चलते ही गुरुग्राम पुलिस की टीमें तुरंत एल्विश के घर पहुंची। गोलियों के खोल जब्त कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गुरुग्राम पुलिस का कहना है कि एल्विश को पिछले दिनों में किसी तरह की धमकी मिलने की कोई जानकारी नहीं है। एल्विश के घर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी भाऊ गैंग ने ली। सोशल मीडिया पोस्ट में गैंगस्टर नीरज फरीदपुर और भाऊ रिटौलिया ने कहा कि एल्विश ने बैटिंग एप प्रमोट कर कई घर बर्बाद किए, इसलिए उस पर फायरिंग की गई।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 3 जगह बादल फटा

7 लोगों की मौत, कई घायल

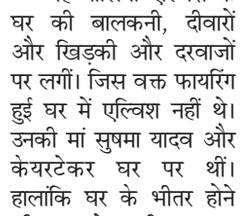

हिमाचल के कुल्लू में भी बादल फटने से तबाही

जम्मू,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में रविवार सुबह बादल फटा है। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की ये बीते 3 दिन में दूसरी घटना है। आज कठुआ जिले में बॉर्डर से सटे इलाके में 3 जगह बादल फटा। जोद घाटी इलाके में 7 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं। जोद के अलावा मथरे चक, बगार्ड-चंगड़ा और दिलवान-हुटली में भी लैंडस्लाइड हुई। 14 अगस्त को भी जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चसोटी में भी ऐसी ही घटना हुई थी। लैंडस्लाइड के बाद जोद गांव का शहर से संपर्क टूटा गया था, काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम गांव पहुंची। घरों में कई फीट तक पानी-मलबा भरा है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।कठुआ डिप्टी एसपी राजेश शर्मा ने कहा- लैंडस्लाइड में 2 से 3 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। 6 लोगों के फंसे होने की सूचना है। जांगलोट समेत नेशनल हाईवे पर कई जगह पर सड़क को नुकसान पहुंचा है। रेलवे ट्रैक भी बाधित है। हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश में तबाही नहीं थम रही। आज सुबह 4 बजे के करीब कुल्लू के टकोली में बादल फटा। कुल्लू के पनारसा, नगवाई में भी फ्लैश फ्लड के बाद चारों तरफ मलबा बिखरा है।

जम्मू-कश्मीर में 17-19 अगस्त तक तेज बारिश की संभावना : वहीं, मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर में 17-19 अगस्त तक तेज बारिश की संभावना जताई है। 11 जिलों जम्मू, रियासी, उधमपुर, राजौरी, पुंछ, सांबा, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, रामबन और कश्मीर के कुछ हिस्सों में बादल फटने और लैंडस्लाइड की भी चेतावनी है।

हिमाचल प्रदेश: कुल्लू में बादल फटा-मंडी में लैश लड; चंडीगढ़-मनाली फोरलेन बंद

करीब 4 बजे के करीब कुल्लू के शालानाला में बादल फटा। इससे कुल्लू और मंडी के कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। टकोली सब्जी और टकोली फोरलेन पर फ्लड के कारण मलबा आ गया। कुल्लू-मंडी के अलग-अलग इलाकों में 10 से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ है। कई घरों में अंदर मलबा भर गया है। शालानाल खड्ड में आई बाढ़ से एफकॉन कंपनी के ऑफिस और कॉलोनी की दीवार टूट गई। यहां पर कर्मचारियों ने भाग कर बचाई जान, स्थानीय लोगों के घरों को भी काफी नुकसान हुआ। टकोली, पनारसा और नगवाई में 10 से अधिक गाड़ियों को भी नुकसान हुआ है। चंडीगढ़-मनाली फोरलेन मंडी और कुल्लू में जगह-जगह बंद हो गई है। मंडी जिला के बागी पराशर में भी फ्लैश फ्लड से नुकसान की सूचना है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में बारिश का यलो अलर्ट है। प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक 261 लोगों की मौत हो चुकी है।

बिहार में वोट अधिकार यात्रा, खुली गाड़ी में राहुल-तेजस्वी :

लालू बोले-भाजपा को उखाड़ फेंकना है राहुल ने कहा-ये संविधान बचाने की लड़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ढ्ढक्र सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट रिवीजन) के खिलाफ राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा सासाराम से शुरू हुई। यहां के सुआरा हवाई अड्डा ग्राउंड में हुई जनसभा में राहुल बोले, ये संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश में बीजेपी-आरएसएस संविधान को मिटाने पर तुले हैं।

जहां भी चुनाव होता है, ये जीतते हैं। महाराष्ट्र में ओपिनियन पोल कह रहे थे, महागठबंधन चुनाव जीतेगा। लोकसभा में महागठबंधन जीतता है, लेकिन 4 महीने में उसी क्षेत्र में हम हारते हैं। हमने पता लगवाया तो पता चला 1 करोड़ नए वोटर जादू से पैदा हो गए।

बिहार की जनता वोटों की चोरी नहीं करने देगी क्योंकि गरीब-कमजोर लोगों के पास सिर्फ वोट का हक है। आयोग जो कर रहा है, वो सबको पता है। इलेक्शन कमीशन को हम ये नहीं करने देंगे। नरेंद्र मोदी जी और NDA अरबपतियों के साथ सरकार चलाती है। आप का पूरा धन 5-6 अरबपतियों को दिया जाता है।

कई दिनों बाद किसी जनसभा में शामिल हुए राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा- चोरों को हटाइए, बीजेपी को भगाइए, हमारी पार्टी को जिताइए। किसी भी कीमत पर भाजपा को सत्ता में आने नहीं देना है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सभी मिलकर बीजेपी को उखाड़कर फेंकिए।

दही हांडी उत्सव में गोविंदाओं ने फोड़ी मटकी मुंबई-ठाणे में हादसा, दो की मौत, 117 घायल

मुंबई/ठाणे,एजेंसी। महाराष्ट्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दही हांडी उत्सव की धूम रही। भगवान कृष्ण के जन्म की खुशी में मनाए जाने वाले इस उत्सव में युवक-युवतियों की टोलियां मानव पिरामिड बनाकर रस्सियों से हवा में लटकी दही हांडी को तोड़ती नजर आई। इन उत्सवों में मशहूर हस्तियों ने भी भाग लिया। वहीं उत्सव के दौरान मुंबई और ठाणे में हुए हादसों में दो लोगों मौत हो गई। जबकि 117 लोग घायल हो गए।

एक अफसर ने बताया कि गांवदेवी गोविंदा पथक का हिस्सा रोहन मोहन मालवी शनिवार को मुंबई के अंधेरी इलाके के आदर्श नगर में एक टेंपों में बैठे हुए बेहोश हो गए। मोहन ने हाल ही में पीलिया होने के कारण पिरामिड निर्माण में हिस्सा नहीं लिया। उन्हें घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इससे पहले ठाणे के मानखुर्द में दही हांडी बांधते समय जगमोहन

शिवकिरण चौधरी नामक 32 वर्षीय व्यक्ति की गिरने से मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि वह अपने घर की पहली मंजिल की खिड़की की ग्रिल से रस्सी से हांडी बांध रहे थे, तभी वह गिर गए। उन्हें नगर निगम द्वारा संचालित शताब्दी गोवंडी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात 9 बजे तक मुंबई में उत्सव के दौरान 95 लोगों के घायल होने की खबर है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। 95 गोविंदाओं में से 76 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि 19 अस्पताल में भर्ती हैं। 95 घायलों में से 30 द्वीपीय शहर में, 31 पूर्वी उपनगरों में और 34 शहर के पश्चिमी हिस्से में हैं।

ठाणे में 22 गोविंदा घायल: वहीं ठाणे शहर में मानव पिरामिड बनाने का प्रयास करते समय 22 गोविंदा घायल हो गए। इनमें से 17 लोगों को कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ को सिर में चोट, कंधे में अव्यवस्था, कमर और छाती में चोटें आई हैं। सिर में चोट लगने से एक 18 वर्षीय प्रतिभागी को मुंबई के सरकारी जेजे अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि अन्य घायलों में 5 से 10 साल की उम्र के बच्चे भी शामिल हैं।

अभिनेता भी बने हिस्सा, दो नेता मिले

उत्सव में ठाणे के कई मंडलों में भारी भीड़ उमड़ी।जहां अभिनेता गोविंदा, चंकी पांडे और सुनील शेट्टी भी समारोह में शामिल हुए। अभिनेता गोविंदा ने ठाणे के टेंबी नाका क्षेत्र में दही हांडी उत्सव के अवसर पर कुछ लोकप्रिय गीतों पर नृत्य किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे।वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व सांसद राजन विचारे और मनसे नेता अविनाश जाधव ठाणे के नौपाड़ा में राज ठाकरे की पार्टी द्वारा आयोजित समारोह में एक साथ आए और घोषणा की कि उनकी साझेदारी फेविकोल की जोड़ी की तरह है जिसे कोई अलग नहीं कर सकता।

प. बंगाल-दुर्गा पंडालों के लिए 500 करोड़ बांट रहीं सीएम ममता

7 साल में मदद 11 गुना बढ़ाई, राज्य में 45 हजार पंडाल

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में इस बार 45 हजार से ज्यादा दुर्गा पंडाल हैं। इनमें से 3100 अकेले कोलकाता में हैं। अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में इस बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक पंडाल को 1.10 लाख रु. की अनुदान राशि दे रही हैं। इस हिसाब से देखें तो राज्य सरकार करीब 500 करोड़ रुपये पंडालों की मदद पर खर्च कर रही हैं। ममता ने 2018 में पंडालों को अनुदान देना शुरू किया था। तब 28 हजार पंडाल थे और प्रत्येक को 10 हजार रुपये दिए जाते थे। अब पंडाल 60% बढ़ गए हैं और अनुदान 11 गुना।

पिछले साल 85 हजार रुपये दिए थे। इस बार सीधे 25 हजार रुपये बढ़ाए हैं। भाजपा का आरोप है कि चुनाव नजदीक हैं, इसलिए ममता ने अनुदान बढ़ाया है।

एक्सपर्ट बोले- नवरात्र बंगाल की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कलकत्ता

विश्वविद्यालय के इकोनॉमिक्स विभाग के एचओडी पंचानन दास कहते हैं, 10 दिनी शारदीय नवरात्र बंगाल की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह छोटे से लेकर बड़े सेक्टर तक को आर्थिक ताकत देती है।

सरकारी आंकड़ा है कि पिछले साल इन 10 दिन में 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ। इस बार यह 1 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है, क्योंकि हर चीज के दाम पिछले साल से ज्यादा हैं और पंडाल भी बढ़ गए हैं। पूजा कमेटियों का कहना है कि बीते 7 साल में लेबर, कच्चा माल, लाइटिंग, पूजन सामग्री, सजावट आदि का खर्च 60% से ज्यादा बढ़ चुका है। इसलिए पंडालों को भी ज्यादा रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। भाजपा का आरोप- पंडालों से सियासी प्रचार करा रहीं ममता भाजपा प्रवक्ता और संतोष मित्रा स्क्वॉयर पूजा पंडाल के आयोजक सजल घोष कहते हैं कि हम तृणमूल सरकार से अनुदान नहीं लेते हैं, क्योंकि सरकार इन्हें खुद का प्रचार का मंच बना चुकी है। अगले साल राज्य में विधानसभा चुनाव हैं, इसीलिए ममता ने 25 हजार रुपये ज्यादा अनुदान दे रही हैं।

हम किसी भी आतंकी हमले के खिलाफ, भारत के लोगों के साथ खड़े

दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री बोले

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने पहलगाम आतंकी हमले और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता जाहिर की। उन्होंने कहा कि उनका देश भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ खड़ा है। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में चो ह्यून ने कहा कि दक्षिण कोरिया आतंकवाद के सख्त खिलाफ है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे पर बहुत सख्त और दृढ़ हैं।

दिव्यांगता के चलते सैन्य प्रशिक्षण से हटे कैडेटों की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिव्यांगता के चलते सैन्य प्रशिक्षण से बाहर किए गए कैडेटों की मौजूदा हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इन कैडेटों को प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग पाए जाने पर सैन्य संस्थानों ने चिकित्सा आधार पर छुट्टी दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ स्वतः संज्ञान याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी।

12 अगस्त को जारी एक मीडिया रिपोर्ट में कैडेटों का मुद्दा उठाया गया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि कैडेट कभी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) जैसे देश के शीर्ष

सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षण का हिस्सा थे। 1985 से अब तक लगभग 500 अधिकारी कैडेटों को प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता के कारण सैन्य संस्थानों से चिकित्सा आधार पर छुट्टी दे दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले एनडीए में ही लगभग 20 ऐसे कैडेट हैं, जिन्हें 2021 से जुलाई 2025 के बीच केवल पांच वर्षों में चिकित्सा सेवा से छुट्टी दे दी गई। अब कैडेट को बढ़ते चिकित्सा बिलों का सामना करना पड़ रहा है। कैडेट को सेना की ओर से मासिक अनुग्रह राशि का भुगतान किया जा रहा है, लेकिन यह बहुत कम है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि सेना के नियमों के मुताबिक ये कैडेट पूर्व सैनिक (ईएसएम) का दर्जा पाने के हकदार नहीं हैं। इसलिए उनको पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के तहत सैन्य सुविधाओं और सूचीबद्ध अस्पतालों में मुफ्त इलाज जैसी सुविधा का लाभ नहीं दिया जा सकता। क्योंकि उनकी विकलांगता अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त करने से पहले प्रशिक्षण के दौरान हुई थी।

रिपोर्ट में कहा गया था कि इस श्रेणी के सैनिकों के विपरीत कैडेटों को अब दिव्यांगता की सीमा के आधार पर 40,000 रुपये प्रति माह तक का अनुग्रह भुगतान मिलता है। जबकि यह राशि बुनियादी जरूरतों से बहुत कम है।

वजीराबाद रोड पर डबल डेकर लाईओवर का काम अटका, नहीं मिली हरे पेड़ों को हटाने की अनुमति

दिल्ली, एजेंसी। भजनपुरा और यमुना विहार के बीच बन रहे डबल डेकर फ्लाईओवर का काम पेड़ों को हटाने की अनुमति नहीं मिलने से अटक गया है। यह फ्लाईओवर दिल्ली मेट्रो के मौजपुर से मजलिस पार्क कॉरिडोर का हिस्सा है जिसमें ऊपरी डेक पर मेट्रो व निचले डेक पर चार लेन का फ्लाईओवर होगा। फ्लाईओवर के दोनों उतरने वाले हिस्सों (भजनपुरा और बृजपुरी) में करीब 80 से अधिक हरे पेड़ आ रहे हैं। मेट्रो ने कॉरिडोर के लिए वायाडक्ट का निर्माण पूरा कर लिया है लेकिन सड़क को फ्लाईओवर से जोड़ने वाले दोनों तरफ के रैंप पेड़ों की वजह से अभी तक नहीं बन सके हैं। यह दिल्ली का पहला डबल-डेकर वायाडक्ट है जिसके निचले डेक में चार लेन की सड़क होगी। भजनपुरा और यमुना विहार के बीच यह खंड करीब 1.4 किलोमीटर लंबा है। कुछ महीनों से काम रुके होने के बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री परवेश वर्मा ने हाल ही में निर्माण कार्य की समीक्षा की थी और विभाग को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया था। परियोजना का निर्माण डीएमआरसी कर रही है जबकि धनराशि दिल्ली सरकार दे रही है। इसका रखरखाव पीडब्ल्यूडी करेगा।

2021 में हुई थी घोषणा : दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के तहत बन रहे तीन डबल-डेकर वायाडक्ट में से यह पहला है। इसकी घोषणा 2021 में की गई थी। तीनों में से सबसे लंबा 2.4 किलोमीटर का वायाडक्ट संगम विहार और आंबेडकर नगर स्टेशनों के बीच एयरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर पर होगा। दूसरा वायाडक्ट आजादपुर और रानी झांसी रोड चौराहे के बीच आरके आश्रम मार्ग-जनकपुरी पश्चिम कॉरिडोर पर 2.2 किलोमीटर लंबा होगा। मौजूदा समय में भजनपुरा और यमुना विहार के बीच बनाए जा रहे डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात : फ्लाईओवर बनने से भजनपुरा, यमुना विहार, मौजपुर व आसपास के लाखों लोगों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। लंबी दूरी वाले वाहन सीधे फ्लाईओवर से गुजर सकेंगे जिससे स्थानीय यातायात पर दबाव कम होगा। खास बात यह भी है कि खजूरी चौक उत्तर पूर्वी दिल्ली में प्रमुख ट्रैफिक बिंदु है। ये लंबे समय से भीड़ और जाम की समस्या से जूझ रहा है। फ्लाईओवर और मेट्रो परियोजना से खजूरी चौक पर जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी। चार लेन का फ्लाईओवर खजूरी चौक के आसपास के यातायात को डायवर्ट करेगा, जिससे चौराहे पर वाहनों का दबाव कम होगा।

निजी अस्पताल के खिलाफ मेडिकल लापरवाही का मामला किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने दिलशाद गार्डन स्थित निजी अस्पताल के खिलाफ इलाज में लापरवाही की शिकायत खारिज कर दिया है। आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति संगीता धींगरा और सदस्य पिंकी ने कहा कि अपीलकर्ता के आरोप अस्पष्ट हैं और मेडिकल लापरवाही साबित करने के लिए कोई ठोस दस्तावेज या विशेषज्ञ राय प्रस्तुत नहीं की गई। आयोग ने कहा कि इस मामले में अपीलकर्ता के पक्ष में कुछ भी नहीं है और इसलिए शिकायत को खारिज किया जाता है। शिकायतकर्ता लाल बहादुर पांडे ने आरोप लगाया था कि अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक और उनके चिकित्सक पुत्र ने उन्हें रोजाना हाई डोज की दवाएं दीं, जिससे उनकी सेहत इतनी बिगड़ गई कि वे खाने-पीने तक में असमर्थ हो गए। मामला वर्ष 2017 का है, जब लाल बहादुर पांडे को दाएं हाथ और गर्दन के दाहिने हिस्से में दर्द की शिकायत पर जीवन ज्योति क्लिनिक व हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। सैनी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज का विपक्ष जैसा है, वो स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस के नेता अटल बिहारी वाजपेयी जी की जीवनी को पढ़ें और उनकी जीवनी को समझें। जिस रखते थे।

दिल्ली में सनसनीखेज वारदात- डिलीवरी बॉय की चाकू मारकर हत्या, सीने पर किए ताबड़तोड़ कई वार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बाहरी इलाके चंदर विहार में शनिवार रात 12:20 बजे एक 24 साल के डिलीवरी बॉय अशीष वर्मा की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना नशे में हुई झड़प के दौरान पैसे के विवाद को लेकर हुई।

आरोपियों की गिरफ्तारी : अशीष की मां के बयान के आधार पर, उनके पड़ोसियों भजन लाल (32) और राकेश (30) को हत्या का आरोपी बनाया गया है। दोनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उनके खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपी दीपक विहार, नीलोठी एक्सटेंशन के रहने वाले हैं।

अशीष के सीने पर मारा गया था चाकू : घटना के बाद अशीष को उनके परिवार वाले तुरंत दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक मेडिकल जांच में उनके सीने के बाई ओर चाकू से गहरा घाव होने की पुष्टि हुई।

कौन था आशीष : अशीष वर्मा, विकास पुरी के भूडेला गांव में रहते थे और अविवाहित थे। वह एक डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यमुना खतरे के निशान के करीब पहुंची, दिल्ली में बाढ़ का खतरा; प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

दिल्ली, एजेंसी। यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इससे दिल्ली में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। हथिनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़ने से शनिवार को नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर के करीब पहुंच गई है। सुबह 6 बजे पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर 205.26 मीटर दर्ज किया गया जो शाम 6 बजे 205.12 मीटर तक रह गया था। आईटीओ ब्रिज के पास यमुना ऊपरी किनारों (तटबंध) के बिल्कुल बराबर बह रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि अगर जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचता है तो निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया जाएगा। पहाड़ों पर भारी बारिश के कारण अब हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे करीब 50,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। अगर यह मात्रा 1-1.5 लाख क्यूसेक तक पहुंची तो दिल्ली में बाढ़ का खतरा और गंभीर हो जाएगा। 2023 में यमुना का जलस्तर 208.66 मीटर तक पहुंचा था जिससे राजधानी के कई हिस्से डूब गए थे।

प्रशासन ने अलर्ट जारी किया : प्रशासन ने सभी एजेंसियों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। यमुना खादर जैसे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के घरों के करीब पानी पहुंच चुका है। अगर जलस्तर में बढ़ोतरी हुई तो घरों में पानी घुसने का खतरा है। अधिकारियों ने चेतावनी जारी कर लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। दिल्ली सरकार और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर रख रही हैं।

मां पर खराब चरित्र का आरोप लगाकर दुष्कर्म, पिता से कहा- हज से लौटकर तुरंत तलाक दो

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य दिल्ली के हौज काजी इलाके में एक 39 वर्षीय व्यक्ति ने सऊदी अरब की तीर्थयात्रा से लौटने के बाद अपनी मां के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता अपनी 25 वर्षीय बेटी के साथ हौज काजी पुलिस थाने पहुंची और आरोप लगाया कि उसके बेटे, जिसकी पहचान मोहम्मद फिरोज उर्फ सुहेल के रूप में हुई है, ने इस महीने कई मौकों पर उसके साथ मारपीट की और उसका यौन शोषण किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला ने बताया कि वह 25 जुलाई को अपने 72 वर्षीय पति और बेटी के साथ तीर्थयात्रा के लिए सऊदी अरब गई थी। यात्रा के दौरान, उसके बेटे ने कथित तौर पर उसके पति को कॉल किया और उस पर खराब चरित्र का आरोप लगाया और अपने पिता से तुरंत दिल्ली लौटने और उसे तलाक देने की बात कही।

1 अगस्त को, परिवार के घर लौटने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर अपनी मां के साथ मारपीट की और अगले दिन फिर से उस पर हमला करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि अपनी सुरक्षा के डर से, वह कुछ समय के लिए अपनी बड़ी बेटी के ससुराल में रहने चली गई।

अधिकारी ने बताया कि उसने आरोप लगाया कि 11 अगस्त को जब वह रात लगभग 9:30 बजे घर लौटी तो उसके बेटे ने उससे अकेले में बात करने की जिद की। फिर उसने उसे एक कमरे में बंद कर दिया। चाकू और कैंची से धमकाया और कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने बताया कि डर और शर्म के मारे उसने घटना के बारे में तुरंत कुछ नहीं बताया और अपनी बेटी के साथ उसी कमरे में सोने लगी। मगर 14 अगस्त को सुबह लगभग 3:30 बजे आरोपी ने कथित तौर पर वही हरकत दोहराई, जिसके बाद महिला ने हिम्मत जुटाई और पुलिस से संपर्क किया। अधिकारी ने बताया कि बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी स्नातक है, लेकिन फिलहाल बेरोजगार है, जबकि शिकायतकर्ता एक गृहिणी है। उसका पति एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी है।कई बार गुहार लगाने के बाद भी उनकी नहीं सुनी गई और आखिर शुक्रवार को हादसा हो गया।

आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी में 25वीं मंजिल से गिरा पत्थर, 12 साल की बच्ची का फट गया सिर, लगे 10 टांके

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी में शनिवार को 25वीं मंजिल से पत्थर गिर गया। इससे 12 साल की बच्ची का सिर का फट गया। उसे 10 टांके लगे हैं। बच्ची के दादा की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर-113 की पुलिस ने एनबीसीसी के चीफ जनरल मैनेजर आदित्य पालीवाल, प्रोजेक्ट मैनेजर सुशांत, कृष्णा कंस्ट्रक्शन के कपूर, मैनेजर मंसूर अहमद, साइट इंजीनियर देवेंद्र कुमार, एओए अध्यक्ष आदित्य वशिष्ठ, सचिव अजीत सिंह व उपाध्यक्ष गौरव सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सोसाइटी निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उनकी पोती अद्विका पाटनी शनिवार सुबह साढ़े दस बजे ट्यूशन जा रही थी। वह टावर के पिछले गेट से निकल रही थी तभी पत्थर उसके सिर पर गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मदरलैंड अस्पताल ले जाया गया। यहां से उसे रेफर कर दिया गया। बच्ची के सिर में 10 टांके लगे हैं। बच्ची के सिर में गहरा घाव हो गया है। चिकित्सकों के मुताबिक, घाव भरने में अभी वक्त लगेगा। इस घटना के बाद लोगों में नाराजगी है। सूचना मिलने के बाद सेक्टर-113 थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। आरोप है कि यह पत्थर टावर ए में चल रहे मरम्मत कार्य की वजह से गिरा है।

दादी बोलीं, दो बार हो चुकी है सर्जरी: दादी प्रतिभा ने बताया कि हादसे के बाद अद्विका की सुबह से दो सर्जरी हो चुकी हैं। वह फोर्टिस अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। माता-पिता रात भर उसके पास ही रहे। अद्विका डीपीएस सेक्टर 122 में पढ़ती है और वह सातवीं क्लास की छात्रा है। आम्रपाली प्लेटिनम में परिवार के साथ ए टावर में रहती है।

चल रहा मरम्मत कार्य, सुरक्षा व्यवस्था दरकिनार : आरोप है कि सोसाइटी में चल रहे मरम्मत कार्य में किसी तरह के सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है। ग्रीन पर्दा, वॉर्निंग बोर्ड, सेफ्टी नेट नहीं लगाए गए हैं। एनबीसीसी के जरिये कृष्णा कंस्ट्रक्शन मरम्मत कार्य कर रहा है। इसकी निगरानी की जिम्मेदारी अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन (एओए) की भी है। इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं लेकिन एओए ने शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया। एडीसीपी सुमित शुक्ला का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। बच्ची की हालत में सुधार है। जांच के क्रम में आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं एओए के सचिव अजीत सिंह का कहना है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच बने स्वैच्छिक गठबंधन में ब्रिटिश पीएम शामिल, ट्रंप-पुतिन की वार्ता के बाद बैठक

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने रविवार को यूरोपीय नेताओं के साथ वीडियो बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक यूक्रेन युद्ध को लेकर हुई, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भी शामिल हुए। यह चर्चा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की अगले हफ्ते व्हाइट हाउस यात्रा से पहले हुई। ये बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अलास्का में शांति वार्ता की थी। हालांकि इसमें कोई युद्धविराम समझौता नहीं हुआ।

स्टार्मर ने ट्रंप की कोशिशों की सराहना की : पीएम स्टार्मर ने कहा कि ट्रंप की पहल से शांति की उम्मीद और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति जेलेंस्की के बिना शांति की राह तय नहीं हो सकती। आगे का कदम उनके शामिल होने वाली वार्ता ही होगी।

यूरोप-अमेरिका देंगे सुरक्षा गारंटी : इस दौरान ब्रिटिश पीएम ने कहा कि अमेरिका और यूरोप, किसी भी समझौते में यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने को तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हमला नहीं रोकते, तब तक रूस पर और कड़े प्रतिबंध जारी रहेंगे।

संयुक्त बयान में रूस को साफ संदेश : वहीं इस बैठक में इमैनुएल मैक्रों, फ्रेडरिक मर्ज और अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि- रूस को यूक्रेन के नाटो या यूरोपीय संघ में शामिल होने पर वीटो का अधिकार नहीं होगा। यूक्रेन अपनी भूमि और सुरक्षा से जुड़े फैसले खुद करेगा। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बलपूर्वक बदला नहीं जा सकता।

पुतिन का ट्रंप को प्रस्ताव : एक रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा है कि अगर यूक्रेन डोनबास क्षेत्र से पीछे हटे तो वह मोर्चे पर लड़ाई रोकने को तैयार हैं।स्थानीय लोग भी रात भर मलबे में खोजबीन करते रहे। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंदापुर ने शनिवार को बुनेर का दौरा कर चल रहे की समीक्षा की।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में कांपी धरती, 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए

पालू, एजेंसी। इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में रविवार सुबह 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप समुद्र के अंदर आया। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इस दौरान कई लोगों के घायल होने की भी खबरें आईं। भूकंप बाद 29 लोग घायल बताए गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप मध्य सुलावेसी प्रांत के पोसो जिले से 15 किलोमीटर उत्तर में आया। इसके बाद कम से कम 15 झटके और महसूस किए गए।

सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई : इंडोनेशियाई अधिकारियों ने सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी ने कहा कि ज्यादातर घायलों को क्षेत्रीय सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने रविवार को बताया कि ज्यादातर घायल रविवार सुबह एक चर्च में प्रार्थना सभा में शामिल होने आए थे।

प्रभाव का पता लगाने का काम जारी : मुहरी ने कहा, चर्च को हुए संरचनात्मक नुकसान को दिखाने वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। पोसो आपदा न्यूनीकरण एजेंसी भूकंप के प्रारंभिक प्रभाव का पता लगाने के लिए क्षेत्र में तेजी से आकलन कर रही है।

तेज भूकंप का पुराना इतिहास : 2022 में पश्चिम जावा के सियानजुर शहर में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कम से कम 602 लोग मारे गए थे। यह इंडोनेशिया में 2018 में सुलावेसी में आए भूकंप और सुनामी के बाद सबसे घातक भूकंप था, जिसमें 4,300 से ज्यादा लोग मारे गए थे। 2004 में हिंद महासागर में आए एक बेहद शक्तिशाली भूकंप ने सुनामी पैदा की थी, जिसमें एक दर्जन देशों में 2,30,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। जबकि लापता लोगों की तलाश का अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। प्रांतीय सरकार प्राथमिकता के आधार पर सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी। सरकार ने राहत एवं अरब रुपये जारी किये हैं।

पतंग पकड़ने के दौरान गहरे नाले में गिरकर बच्चे की मौत, अगले दिन मिला शव, आप ने भाजपा सरकार को घेरा

दिल्ली, एजेंसी। वेलकम इलाके में शुक्रवार शाम पतंग पकड़ने के दौरान सात साल का बच्चा गहरे नाले में गिर गया। यह देखकर बाकी बच्चों ने शोर मचा दिया। बाद में मामले की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा। रात तक बचाव अभियान चला पर अंधेरा होने के कारण बचाव का काम रोकना पड़ा। शनिवार एक बार फिर बचाव का काम शुरू हुआ तो दोपहर को शव बरामद हो गया। मृतक की शिनाख्त अदनान के रूप में हुई है। वह दूसरी कक्षा का छात्र था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसा शुक्रवार शाम लकड़ी मार्केट पुलिया के पास हुआ। शुक्रवार को लोग पतंगबाजी कर रहे थे। इस बीच कटकर गिरी पतंग पकड़ने के दौरान अदनान नाले में गिर गया। अदनान परिवार के साथ वेलकम इलाके की लकड़ी मार्केट में रहता था। परिवार में पिता आबिद के अलावा मां तरन्नुम, दो बहन व दो भाई हैं। आबिद ऑटो चालक हैं।

सो रही भाजपा सरकार - भारद्वाज : आम आदमी पार्टी (आप) ने नालों और सीवर में गिरकर हो रही बच्चों की मौत पर गहरी चिंता जताते हुए दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज का दावा है कि दिल्ली के अंदर खुले नाले और सीवर बच्चों की जान ले रहे हैं और दिल्लीवालों के लिए विपदा बनी चार इंजन वाली भाजपा सरकार सो रही है। वेलकम इलाके में भी एक बच्चा नाले में गिर गया और मौत हो गई। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगता है कि सरकार है ही नहीं। छोटे-छोटे बच्चों की नालों और सीवर में गिरकर मौत हो रही है पर किसी की कोई जवाबदेही नहीं है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। दिल्ली सरकार की तरफ से हर हादसे पर बस लीपापोती हो रही है।

ट्रंप ने कहा- चीन बहुत धैर्यवान, मेरे राष्ट्रपति रहते शी जिनपिंग ताइवान पर हमला नहीं करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा उन्हें दिए गए भरोसे के बारे में बात की। ट्रंप ने बताया कि जिनपिंग ने कहा है कि जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, तब तक वह ताइवान पर हमला नहीं करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा, मैं आपको बता दूं, चीन और ताइवान के मामले में भी हालात गंभीर हो सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, ऐसा कुछ होगा। आगे देखते हैं क्या होता है।

मैं और चीन दोनों ही बहुत धैर्यवान: ट्रंप : ट्रंप ने आगे कहा कि शी जिनपिंग ने मुझे भरोसा दिया है कि जब तक आप राष्ट्रपति हैं, मैं ताइवान पर कभी हमला नहीं करूंगा। इस पर मैंने उनसे कहा कि ठीक है और मैं इसकी सराहना करता हूं। ट्रंप ने आगे कहा कि मैं और चीन दोनों ही बहुत धैर्यवान हैं। दोनों नेताओं ने ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल की पहली पुष्टि जून में की थी। ट्रंप ने अप्रैल में यह भी बताया था कि शी जिनपिंग ने उन्हें फोन किया था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि यह फोन कब हुआ था।

ताइवान को अपना हिस्सा मानता है चीन : चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और अगर जरूरत पड़ी तो बलपूर्वक उसे अपने साथ मिलाने की बात करता है। वहीं, ताइवान चीन के इस दावे का कड़ा विरोध करता है और स्वतंत्र रूप से काम करता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान का प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता और अंतरराष्ट्रीय समर्थक है, फिर भी दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है।

ताइवान का मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण: चीनी दूतावास : वाशिंगटन में चीन के दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि ताइवान का मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंगयु ने कहा, अमेरिकी सरकार को वन-चाइना नीति और चीन-अमेरिका के बीच हुई तीन संयुक्त घोषणाओं का पालन करना चाहिए। ताइवान से जुड़े मामलों को समझदारी से संभालना चाहिए और चीन-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता की ईमानदारी से रक्षा करनी चाहिए।सैक्स ने आश्चर्यजनक रूप से चीन, रूस और ब्राजील को भारत के सच्चे साझेदार देश बताया। सैक्स ने कहा कि भले ही भारत, अमेरिकी आपूर्ति में विविधता लाने में मदद करे, फिर भी उसे वाशिंगटन के साथ अच्छे व्यापारिक संबंधों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बैठक के बाद मीडिया बातचीत में ट्रंप ने शिखर वार्ता को बहुत ही उपयोगी बताया था। अलास्का से वॉशिंगटन लौटने के बाद ट्रंप ने फोन पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ लंबी बातचीत की थी। हाउस में मुलाकात होगी।

लेन-देन के विवाद में दोस्तों ने युवक की चाकू गोदकर की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार इलाके में पैसे के विवाद को लेकर हुई कहासुनी में दोस्तों ने युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। युवक डिलीवरी बॉय का काम करता था। पुलिस ने उसकी मां की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों भजनलाल और राकेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। चंदर विहार निवासी के राम सूरत वर्मा ने बताया कि शुक्रवार देर रात 12.20 बजे उन्हें किसी ने फोन कर बताया कि उनके बेटे आशीष वर्मा (24) को कुछ लोगों ने चाकू मार दिया है। वह घटनास्थल पर पहुंचे और घायल बेटे को लेकर डीडीयू अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली जानकारी के बाद निहाल विहार थाना पुलिस वहां पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में कर लिया। जांच करने पर पता चला कि हमलावरों ने उसके सीने में चाकू से वार किया था। जांच में पता चला कि आशीष अविवाहित था। भुडेला गाव विकासपुरी में डिलीवरी बॉय का काम करता था। पुलिस के मुताबिक वह रात में अपने दोस्तों के साथ घर के पास ही शराब पी रहा था।

राजपुर में बाढ़ आने के बाद मात्र 3 घंटे में बिजली आपूर्ति बहाल

भोपाल, एजेंसी। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र के बड़वानी जिले के राजपुर नगर में भारी बारिश हुई। इस कारण नगर के समीप बह रही रूपा नदी में अचानक बाढ़ आ गई और बाढ़ का पानी नगर के कुछ क्षेत्रों में घुसने पर 20 ट्रांसफार्मरों से सुरक्षात्मक कारणों से बिजली प्रदाय बंद करना पड़ा। इन ट्रांसफार्मरों के नीचे जमीन पर 1 से 3 फीट तक पानी आ गया था। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के सेंधवा कार्यपालन यंत्री श्री एस आर खरते ने बताया कि शनिवार सुबह 4 बजे से बाढ़ की स्थिति बनने लगी और अगले दो घंटे में ज्यादा पानी जमा होने पर बिजली आपूर्ति बंद करना पड़ी। इसके आधे घंटे बाद टीमें गठित कर बिजली आपूर्ति जल्द सामान्य करने के प्रयास प्रारंभ कर दिए गए। बिजली कर्मचारियों से पानी की तेजी से निकासी की व्यवस्था कराने के अलावा उच्च दाब लाइन, निम्न दाब लाइन और ट्रांसफार्मरों की सुरक्षात्मक ढंग से चेकिंग व बाढ़ के बाद के जरूरी सुरक्षात्मक मैंटेनेंस कार्य किये गए। इसके बाद सुबह 9 से 11 बजे के बीच क्रमबद्ध रूप से राजपुर नगरीय क्षेत्र की बिजली शत प्रतिशत चालू कर दी गई। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि बाढ़ के बावजूद कर्मचारियों ने 5 ट्रांसफार्मरों पर जरूरी कार्य किए। औसत रूप से 12-15 घंटे में होने वाला यह कार्य मात्र 3 से 5 घंटों में पूरा कर बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने राजपुर क्षेत्र के बिजली कर्मचारियों के इस त्वरित सेवा की प्रशंसा की और अन्य कार्मिकों से इसी तरह के कार्य का आह्वान किया।

ठीक से स्लोप नहीं दिया तो फ्लोर-चैंबर्स में भरने लगा पानी

भोपाल, एजेंसी। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) में सहायक संचालक और अन्य अधिकारियों के लिए बनाए गए चैंबर में इंजीनियरिंग से जुड़ी गड़बड़ी उजागर हुई है। अधिकारियों का कहना है कि फर्श का स्लोप सही न होने से गैलरी और चैंबर में पानी भरने लगता है। स्थिति बिगड़ने पर गेट के सामने सीमेंट की पट्टी डालकर पानी रोकने की अस्थायी व्यवस्था की गई। कर्मचारियों का कहना है कि डिजाइन में खामी के कारण लगातार परेशानी हो रही है। वहीं, वुडन चैंबर के पीछे एसी का आउटर लगाया गया है, जिससे शार्ट-सर्किट और आग का खतरा बढ़ गया है। यहीं पास में बाद में एक बड़ा वॉटर टैंक भी बना दिया गया है। हालांकि, इसमें अब तक पानी नहीं भरा गया है। अब यहीं के अधिकारी यह सवाल उठा रहे हैं कि इसे बनाए जाने का औचित्य क्या है। अगर भविष्य में कभी आग जैसी स्थिति बनती है तो इसी के पानी का उपयोग किया जाएगा। यह वॉटर टैंक छोटे बच्चों के स्वीमिंग पूल जैसा है। जानकारी के मुताबिक इन कामों पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपए खर्च होंगे। डीपीआई में बड़ी संख्या में फर्नीचर कबाड़ में डाल दिया गया है। कर्मचारी पुरानी टेबल कुर्सियों का उपयोग कर रहे हैं। राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश मंत्री संजय अवस्थी ने बताया कि जिस तरह से डिजाइन में खामी है उससे पिलर भी कमजोर होंगे।

अब 10 हेल्थ प्रोफेशन के लिए देश में एक जैसा कोर्स होगा, राज्यों को सख्त आदेश

भोपाल, एजेंसी। देश में हेल्थ एजुकेशन और हेल्थकेयर सेवाओं में एकरूपता लाने की तैयारी तेज हो गई है। नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन (एनसीएएचपी) ने पहली राज्य स्तरीय परिषद बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। अगले शैक्षणिक सत्र से 10 हेल्थ प्रोफेशन के लिए पूरे देश में एक जैसा कोर्स चलाना होगा।

इंदौर से आगे निकलने के लिए आदमपुर-खंती साफ करनी होगी

भोपाल, एजेंसी। स्वच्छ सर्वे में देश में दूसरा स्थान पाने के साथ ही भोपाल सुपर स्वच्छता लीग में शामिल हो गया है। यानी इस बार भोपाल की प्रतियोगिता इंदौर जैसे उन शहरों से है, जो लगातार बेहतर काम कर रहे हैं। भोपाल के लिए सबसे बड़ा चैलेंज आदमपुर छावनी को साफ करना है। और इसके साथ ही फाइव स्टार रेटिंग यानी धूल मुक्त शहर के स्टेटस को भी बनाए रखना होगा। यानी भोपाल के लिए इस बार परीक्षा और कड़ी हो गई है। धूल मुक्त शहर की बात करें तो हमने इस बार दीपावली और अन्य अवसरों पर पानी का छिड़काव किया और जीआईएस की तैयारियों के लिए सड़कों को दुरुस्त कर लिया, जिससे सर्वे के समय शहर में धूल कम नजर आई। अब इसे लगातार मेंटेन करना होगा, लेकिन इसके लिए, पानी का छिड़काव जैसे उपाय नाकाफी रहेंगे।

भोपाल के प्रदूषण के कारणों पर प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने तीन साल पहले आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया पुणे से एक

स्टडी कराई थी। यह स्टडी बताती है कि भोपाल में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण पीएम-10 है और 67 प्रतिशत पीएम-10 धूल के कण के कारण आते हैं। इसी तरह 28 प्रतिशत पीएम-2.5 भी धूल के कण के कारण आ रहे हैं। यदि शहर धूल मुक्त हो गया तो भोपाल में प्रदूषण का स्तर केवल 33 प्रतिशत रह जाएगा। शहर में कचरे के रियूज के लिए अब पूरे संसाधन हैं। 15 कचरा ट्रांसफर स्टेशन हैं, इनमें 10 में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर भी है। यानी यहां कचरे में उपयोगी सामान 11 अलग-अलग भाग में निकाला जाता हैं। इन सेंटर में रोज 150 टन कचरा सेग्रीगेट हो रहा है। दाना-पानी पर रिसाइकल हब भी है। इसमें फूलों से अगरबत्ती, गोबर से गमले नींबू से हैंडवॉश आदि बन रहा है। गीले कचरे से बायो सीएनजी बनाने का प्लांट अगले साल फरवरी तक शुरू हो सकता है। इस प्लांट में बनने वाली बायो सीएनजी का उपयोग बीसीएलएल की बसों के अलावा निजी वाहनों में भी होगा। साल के अंत तक सूखे कचरे से चारकोल बनाने का एनटीपीसी का प्लांट शुरू हो जाएगा। बनारस के बाद यह देश में दूसरा प्लांट होगा। पीएम 2.5 और पीएम 10 वायु गुणवत्ता को मापने का पैमाना है। पीएम यानी पर्टिकुलेट मैटर। पीएम 2.5 और 10 के जरिए हवा में मौजूद कणों के आकार को मापा जाता है। हवा में पीएम 2.5 की मात्रा 60 और पीएम 10 की मात्रा 100 होने पर ही हवा को सांस लेने के लिए सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, सेंट्रल वर्ज और साइड वर्ज की मिट्टी धूल का बड़ा कारण बनती है। डीआईजी बंगला, कोलार, एमपी नगर, शाहपुरा, बावड़िया कला, न्यू मार्केट, अवधपुरी और पुराने शहर की सड़कों पर उड़ती धूल एक बड़ी समस्या है। तीन साल पहले आई एआरएआई की रिपोर्ट में प्रदूषण के जो कारण बताए गए थे, वे आज भी बरकरार हैं। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनकैप) के तहत भोपाल को पिछले पांच साल में 232.04 करोड़ रुपए मिले, इसमें से 195.01 करोड़ रुपए खर्च भी हो गए। लेकिन प्रदूषण के स्तर में कोई खास बदलाव नहीं आया है। साल 2026 तक पीएम-10 में 40 प्रतिशत कमी का टारगेट पूरा करना आसान नहीं दिख रहा है। इसके लिए भोपाल नगर निगम सहित सभी निर्माण एजेंसियों की सलाह दी गई है कि सड़कों के साइड में पेविंग ब्लॉक लगाने जैसे प्रयोग कर ये धूल कम करें। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन में जो हर चौराहे पर फाउंटेन लगाने का मापदंड बनाया गया है, उसका गंभीरता से पालन करें। इससे केवल सुंदरता नहीं बढ़ती बल्कि धूल भी कम होती है। भोपाल में एक समस्या यह है कि सड़क पर झाड़ू लगाने के बाद कामगार सेंट्रल वर्ज के किनारे धूल के ढेर लगा देते हैं। यह धूल वापस उड़कर वातावरण में चली जाती है। इसे रोकने के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग को बढ़ाने के साथ ही सेंट्रल वर्ज के पौधरोपण पर पानी देने के तरीके को भी बदलना पड़ेगा।

यूजी-पीजी में 2.12 लाख सीटें खाली

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश के कॉलेजों में इस बार दाखिले घटे हैं। अब तक यूजी में 3.58 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जबकि करीब 2.12 लाख सीटें खाली हैं। पिछले साल यह संख्या 3.90 लाख थी। स्थिति देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज लेवल काउंसलिंग का एक अतिरिक्त राउंड 14 अगस्त तक चलाया, लेकिन इसमें केवल 18 हजार नए दाखिले ही हुए।

आंकड़ा 1.14 लाख था। खास बात यह है कि 12वीं की पूरक परीक्षा का परिणाम जुलाई में आ जाने के बावजूद दाखिलों में वृद्धि नहीं हुई। 90 प्रतिशत छात्रों ने इस बार सरकारी कॉलेजों को चुना है। एडमिशन इंचार्ज डॉ. तुलसीराम दहायत ने कहा- 'पिछले साल की तुलना में जुलाई तक अधिक एडमिशन हो चुके हैं, इसलिए स्थिति बेहतर मानी जा सकती है।' इधर, कम संख्या को देखते हुए विभाग ने दाखिले बढ़ाने के लिए एक और राउंड शुरू करने की तैयारी की है। इस बार सीएलसी की प्रक्रिया भी बदली गई है। छात्र फॉर्म जमा करने के उसी दिन मेरिट लिस्ट जारी होगी और अगले दिन तक फीस जमा करनी होगी। यानी पूरी प्रक्रिया दो दिन में पूरी कराई जाएगी।

अधिकारियों का मानना है कि अधिकांश छात्रों ने जुलाई तक ही एडमिशन ले लिए, इसलिए अब खास बढ़ोतरी की उम्मीद नहीं है। यूजी प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। पीजी में भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। अब तक 1.06 लाख एडमिशन हुए हैं, जबकि पिछले साल यह

कर्ज में डूबी सरकार, अब खर्च पर कसेगी लगाम

भोपाल, एजेंसी। लगातार कर्ज लेने की स्थिति में पहुंची मोहन यादव सरकार अब वित्तीय अनुशासन लागू करने की दिशा में कदम उठा रही है। ब्याज राशि को सरकार के खाते में जमा कराने के बाद अब विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्यों और खरीदी में टेंडर की राशि से बची रकम भी सरकार को लौटाई जाए। अब तक विभाग बची हुई राशि का इस्तेमाल अपने हिसाब से करते थे, लेकिन अब यह व्यवस्था खत्म कर दी गई है। वित्त विभाग ने साफ किया है कि ऐसा न करने पर संबंधित विभाग को वित्तीय अनियमितता के लिए जिम्मेदार माना जाएगा। वित्त विभाग ने यह व्यवस्था पूंजीगत खर्च से जुड़ी परियोजनाओं के लिए लागू की है। अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी ने जारी निर्देश में कहा कि बड़े निर्माण कार्य, मशीनरी, उपकरण, भवन और फर्नीचर आदि के लिए टेंडर राशि अगर प्रशासकीय स्वीकृति से कम है, तो बची रकम राज्य सरकार की संचित निधि में लौटानी होगी। अभी तक विभाग इस बचत को अन्य कार्यों में उपयोग कर रहे थे, जिसे अब रोक दिया गया है।निर्देश के अनुसार, पूंजीगत व्यय से जुड़ी सभी नई परियोजनाओं के लिए वित्तीय समिति से अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। टेंडर मंजूर होने के बाद उतना ही काम कराया जाएगा, जितनी राशि के लिए टेंडर हुआ है। बची राशि से अन्य कार्य नहीं किए जा सकेंगे और ऐसा करने पर विभाग को वित्तीय अनियमितता का दोषी माना जाएगा। अगर किसी परियोजना के लिए 50 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है और टेंडर 45 करोड़ में मंजूर हुआ है, तो केवल 45 करोड़ का ही काम होगा। बचे हुए 5 करोड़ न तो खर्च किए जा सकेंगे और न ही किसी अन्य कार्य में लगाए जा सकेंगे। यह राशि सरकार को लौटाना अनिवार्य होगा। जिन विभागों में प्रशासकीय मंजूरी के बाद बची राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज है, उसे सितंबर 2025 तक सायबर कोषालय के माध्यम से राज्य सरकार के खाते में जमा कराना होगा।

मंत्री श्री सारंग केंद्रीय जेल भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल, एजेंसी। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर भोपाल स्थित केंद्रीय जेल परिसर के सांस्कृतिक भवन में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह में सहभागिता कर भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन किया और जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री सारंग ने केंद्रीय जेल भोपाल के नवनिर्मित उच्च सुरक्षा इकाई भवन का लोकार्पण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से जेल सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही कैदियों

को आवश्यक सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य है कि जेल केवल बंदी गृह नहीं बल्कि सुधार गृह हो। यहां आने वाले प्रत्येक कैदी को समाज की मुख्यधारा में जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए।

इसी उद्देश्य से जेलों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सकारात्मक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं जिससे कैदी स्वयं को सुधारकर बेहतर जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर न केवल भोपाल बल्कि सम्पूर्ण मध्यप्रदेश की जेलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस प्रकार के आयोजन से जेल वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

मंत्री श्री सारंग ने भगवान श्रीकृष्ण के आशीर्वाद से सभी के मंगल और कल्याण की कामना की और समाज का प्रत्येक वर्ग धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़कर विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।

प्रदेश के स्कूलों में ही बनेंगे विद्यार्थियों के आधार कार्ड

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश में स्कूल के बच्चों के आधार कार्ड तैयार करने के लिये स्कूल में ही विशेष अभियान 18 अगस्त 2025 से चलाया जायेगा। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के साथ समन्वय किया है। सरकारी स्कूलों में छात्रों की सुविधा के लिए आधार नामांकन और अपडेट शिविर लगाये जायेंगे। इस अभियान का नाम होगा %विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार'।

यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। इसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आईरिस स्कैन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है जब बच्चा 5 वर्ष का हो जाए। पहला एमबीयू 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क रखा गया है। विद्यार्थी के उम्र 7 वर्ष की आयु से अधिक होने के बाद शुल्क लागू होगा। दूसरा एमबीयू तब आवश्यक है जब विद्यार्थी 15 वर्ष का हो जाएगा। तीसरा एमबीयू 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच पूरा होने पर निःशुल्क है, लेकिन 17 वर्ष की आयु के बाद शुल्क लागू होगा।

उल्लेखनीय है कि, अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड, स्कूल प्रवेश, प्रवेश परीक्षा, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजनाओं जैसी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसीलिए सरकार समयबद्ध तरीके से विद्यार्थियों को 100 प्रतिशत आपार आईडी बनाने का भी लक्ष्य रख रही है। आपार आईडी विद्यार्थियों को उनके सभी शैक्षणिक क्रेडिट, जैसे स्कोर कार्ड, मार्कशीट, ग्रेड शीट, डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत, प्रबंधित और एक्सेस करने में मदद करती है। यह आईडी शिक्षा जगत में छात्र के लिए एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करती है। आपार आईडी के लिए एक महत्वपूर्ण बात यह है कि स्कूलों द्वारा आपार आईडी बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले छ्ठ्ठस्श्व+ पोर्टल में दर्ज छात्र का नाम, आधार कार्ड में दर्ज नाम से मेल खाना चाहिए। इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि, %विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान के तहत सरकारी स्कूलों में आधार शिविर, न केवल छात्रों को अपना अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट करवाने में सुविधा प्रदान करेंगे, बल्कि यदि आवश्यक हो तो आधार में नाम सुधार आपार आईडी बनाने के लिए और मोबाइल नंबर अपडेट के लिए भी उन्हें सुविधा प्रदान करेंगे। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने बताया कि, 18 अगस्त से प्रारंभ होने वाला अभियान का पहला चरण, मध्यप्रदेश के 40 जिलों में एक साथ शुरू होगा।

श्रीमद् भागवत गीता की ऑनलाइन क्लास लगेगी

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं की धूम के बीच विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को श्रीमद् भागवत गीता की ऑनलाइन क्लास के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह रजिस्ट्रेशन गणेश चतुर्थी पर्व तक होंगे जिसका ऑनलाइन पंजीयन गीता परिवार की वेबसाइट पर होगा और ऑनलाइन क्लासेस और भागवत गीता की व्याख्या की जाएगी। श्रीकृष्ण पाथेय योजना के अंतर्गत तय किए गए इस काम को लेकर अब जिलों के इस पर एक्शन के लिए कहा गया है।

श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन पर आधारित श्रीमद् भागवत गीता का अब ऑनलाइन क्लास के माध्यम से समझी जा सकती है। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए ऑनलाइन टीचिंग और रजिस्ट्रेशन की

व्यवस्था शुरू कराई है। इसके लिए सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालय के कुल सचिवों और निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के सचिव तथा सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त शासकीय औ निजी अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को ऑनलाइन क्लास अटेंड करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने को कहा गया है। रजिस्ट्रेशन कराने वालों को श्रीमद् भागवत गीता और मूल्य आधारित शिक्षा की जानकारी दी जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग ने कहा है कि 6 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री निवास में हुई श्रीकृष्ण पाथेय योजना के क्रियान्वयन के बिन्दुओं में एक बिन्दु अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद् भागवत गीता और मूल्य आधारित शिक्षा की प्रतियोगिताओं का विस्तार करते हुए सभी विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में गीता परिवार द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षा में विद्यार्थियों को रजिस्ट्रेशन कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाना है। इसी तारतम्य में 27 अगस्त तक विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन कराकर जानकारी देने को कहा गया है।

2025 एशियन केनो स्लालम चैम्पियनशिप

भोपाल, एजेंसी। चीन के झियासी, गुइझोउ में आयोजित एशियन केनो स्लालम चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया।महिला टीम इवेंट वर्ग में मध्यप्रदेश की खिलाड़ी शिखा चौहान, पल्लवी जगताप और रीना सेन ने बेहतरीन तालमेल, संतुलन और तकनीकी कौशल का परिचय देते हुए यह उपलब्धि हासिल की। पदक विजेता खिलाड़ियों में खेल अकादमी की शिखा, पल्लवी और रीना सेन?मध्यप्रदेश की खिलाड़ी है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इनकी उपलब्धि ने प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सफलता अन्य खिलाड़ियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। चैम्पियनशिप में भारत, चीन, जापान

और दक्षिण कोरिया सहित 10 देशों और क्षेत्रों के लगभग 100 एथलीट और कोच भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता एशियाई केनो परिसंघ द्वारा आयोजित की जा रही है और वर्ष 2025 की उनकी प्रमुख गतिविधियों का हिस्सा है।

'मुद्रा' से खजाना खाली...., 2500 करोड़ डूबे, एनपीए 37 हजार करोड़

भोपाल, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मप्र के निजी, सरकारी और सहकारी बैंकों के 1500 करोड़ रुपए डूब गए। यानी एनपीए खाते में चले गए। जिन योजनाओं में बैंकों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है, उनमें केंद्र की मुद्रा योजना पहले स्थान पर है। सूक्ष्म उद्योगों को लोन देने के लिए 2015 में ये योजना शुरू हुई थी। तब से अब तक बैंक इस योजना में 2500 करोड़ रुपए का लोन गंवा चुके हैं। सरकार की प्राथमिकता वाले आवास लोन और सीएम ग्रामीण आवास योजना में भी बैंकों को बड़े नुकसान हुए हैं।

हाल ही में हुई स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एनुअल क्रेडिट प्लान प्रस्तुत किया गया। इसमें ये सारी बातें सामने आई हैं। प्रदेश में कृषि क्षेत्र का लोन बढ़कर 1,78,745 करोड़ हो गया। यह बीते वित्तीय वर्ष में 1,63,077 करोड़ था। बैंकिंग के प्राथमिकता वाले सेक्टर जैसे शिक्षा, आवास आदि के बीच एग्रीकल्चर क्रेडिट का हिस्सा बढ़कर 52ब्र हो चुका है।

और ईवीएम के छक्के छूट गए !

संपादकीय

अब यह साफ हो गया है कि मोदी, शाह, फडणवीस, मिंधे और अन्य ने चुनावों में धांधली करके जीत हासिल की, लेकिन हारनेवालों को मोदी, शाह और फडणवीस के नाम पर स्यापा करने की बजाय मोहित कुमार के संघर्ष और उन्हें मिली जीत की कहानी समझनी चाहिए। हरियाणा के पानीपत जिले के बुआना लाखू गांव के मोहित कुमार ने भारत के चुनाव आयोग और भाजपा को जो जोरदार तमाचा जड़ा है, उससे भाजपा के चुनावी पोंगा पंडितों को भी दिन में तारे दिख गए होंगे। मोहित कुमार की कहानी सीधी-सादी है। बुआना लाखू गांव के सरपंच पद के चुनाव के नतीजे आ गए। मोहित कुमार ने नतीजों पर कड़ी आपत्ति जताई। वो खुद और उनके समर्थक यह मानने को तैयार नहीं थे कि मोहित कुमार हार गए हैं। नतीजों के बाद उनके समर्थक सड़कों पर उतर आए और हंगामा करने लगे। मोहित कुमार ने गांववालों को समझाया, 'हल्ला मचाने से कोई फायदा नहीं है। यहां प्रशासन और सरकार उनकी है इसलिए वो हमारी आवाज दबा देंगे। हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। मुझे विश्वास है कि हमारा पक्ष सत्य के साथ है। सत्य की जीत होगी।' बुआना लाखू गांव में 2 नवंबर 2022 को सरपंच पद का चुनाव हुआ था। इसमें भाजपा समर्थक कुलदीप सिंह विजयी घोषित किए गए थे। मोहित कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मतगणना को चुनौती दी थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मतदान ईवीएम से हुआ था और ईवीएम में गड़बड़ी के कारण नतीजे गलत आए। इस मामले में कई विवाद और झूठ हैं। इसी मामले के एक फैसले में पानीपत के अतिरिक्त सिविल जज ने बूथ संख्या 69 के वोटों की दोबारा गिनती-करने का आदेश दिया था, लेकिन पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया, लेकिन मोहित कुमार नहीं रुके। उन्होंने हाई कोर्ट के पैसले को सीधे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। दिलचस्प बात यह रही कि जब अच्छे-अच्छे लोगों की चुनाव याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित थीं, उसी दौरान हरियाणा का एक कार्यकर्ता सरपंच रिजल्ट घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लेकर खड़ा हो गया। क्या सुप्रीम कोर्ट सरपंच पद के घोटाले पर मोहित कुमार की बात सुनेगा? यह सवाल कई लोगों के मन में था। 31 जुलाई को यह मामला कोर्ट में सुनवाई के लिए आया और कोर्ट ने ईवीएम और सभी रिकॉर्ड पेश करने का आदेश दिया।

नेताजी और आजाद हिंद फौज की धमक के परिप्रेक्ष्य में मिली स्वाधीनता

डॉ. आनंद सिंह राणा

भारत की स्वाधीनता को लेकर यह यक्ष प्रश्न सदैव उठता रहा है कि बरतानिया सरकार ने अपनी घोषणा के एक वर्ष पूर्व ही भारत क्यों छोड़ दिया? इस सन्दर्भ में वामपंथी और तथाकथित सेक्युलर इतिहासकारों ने अनेक तर्क और कारण दिए हैं, परन्तु वास्तविक कारण को जानबूझकर विलोपित किया है ताकि स्वाधीनता संग्राम में नेताजी सुभाषचंद्र बोस और उनकी आज़ाद हिंद फौज के योगदान को धूमिल किया जा सके। जबकि अंग्रेजों के विरुद्ध भारत के स्वाधीनता संग्राम में नेताजी और आजाद हिंद फौज के कारण ही बरतानिया सरकार एक वर्ष पूर्व ही भारत से भाग खड़ी हुई। आज़ाद हिंद फौज से प्रेरणा लेकर ब्रिटिश भारतीय सेना भी बरतानिया सरकार के विरोध में खड़ी होने लगी थी। भारत की स्वाधीनता पर अंतिम मुहर सेना ने ही लगाई थी।

यह मत प्रवाह कि उदारवादियों ने स्वाधीनता दिलाई बहुत ही हास्यास्पद सा लगता है क्योंकि सन् 1940 में द्विराष्ट्र सिद्धांत की घोषणा हुई और भारत के विभाजन पर संघर्ष मुखर हो गया था, परिस्थितियां विपरीत बनती गईं, विभाजन को लेकर तथाकथित राष्ट्रीय आंदोलन बिखर गया था। स्वाधीनता का श्रेय लेने वाला उदारवादी दल बिखर गया था और वह जिन्ना को नहीं संभाल पाया। अंततोगत्वा भारत के विभाजन को लेकर हिंदू - मुस्लिम विवाद आरंभ हुए और बरतानिया सरकार के विरुद्ध संग्राम लगभग समाप्त हो गया था। सन् 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन ने 3 माह में ही दम तोड़ दिया था तो दूसरी ओर विभाजन तय दिखने लगा था।

ऐसी परिस्थिति में महात्मा गांधी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए थे और बाद में विनाशकारी निर्णय में सम्मिलित भी हो गए। सन् 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हुआ और उसके उपरांत इंग्लैंड में लेबर पार्टी की सरकार बनी। इंग्लैंड के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने जून 1948 तक भारत छोड़ने की घोषणा की परंतु विभाजन कर, एक वर्ष पूर्व ही अंग्रेजों ने 15 अगस्त सन् 1947 में भारत छोड़ दिया। यह सन् 1956 तक बहुत ही रहस्यमय बना रहा कि आखिर ऐंसा क्या हो गया था कि ब्रिटिश सरकार ने 1 वर्ष पूर्व ही भारत छोड़ दिया।

इस रहस्य का खुलासा सन् 1956 में क्लीमेंट एटली ने किया, जब वे सेवानिवृत्त होने के बाद कलकत्ता आए, वहां पर गवर्नर ने एक भोज के दौरान उनसे पूंछा कि आखिरकार ऐसी कौन सी हड़बड़ी थी कि आपने 1 वर्ष पहले ही भारत छोड़ दिया, तब क्लीमेंट एटली ने जवाब दिया कि सन् 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के असफल हो जाने के बाद महात्मा गांधी हमारे लिए कोई समस्या नहीं थे, परंतु नेताजी सुभाष चंद्र बोस और उनकी आजाद हिंद फौज के कारण भारतीय सेना ने हमारे विरुद्ध विद्रोह कर दिया था। भारत के तत्कालीन सेनापति अचिनलेक ने अपने प्रतिवेदन में सन् 1946 में जबलपुर से थल सेना के सिग्नल कोर के विद्रोह, बंबई (अब मुंबई) से नौसेना का विद्रोह, करांची और कानपुर से वायु सेना के विद्रोह का हवाला देते हुए स्पष्ट कर दिया था कि अब भारतीय सेना पर हमारा नियंत्रण समाप्त हो रहा है जिसका तात्पर्य है कि अब भारत पर और अधिक समय तक शासन करना असंभव होगा और यदि शीघ्र ही यहां से हम लोग वापस नहीं गए तो बहुत ही विध्वंसकारी परिस्थितियां निर्मित हो सकती हैं और यही विचार अन्य विचारकों का भी था। इसलिए हमने 1 वर्ष पूर्व ही भारत छोड़ दिया परंतु भारतीय इतिहास में सेनाओं के स्वाधीनता संग्राम को विद्रोह का दर्जा देकर दरकिनार कर दिया गया। स्वाधीनता के अमृत काल पर यह श्रेय नेताजी और उनकी आज़ाद हिंद फौज को ही जाना चाहिए। गौरतलब है कि माउंटबेटन और एडविना ने जो अपनी डायरियाँ लिखी थीं, वे वसीयत के अनुसार इंग्लैंड के एक विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में सुरक्षित कराई थीं। हाल ही में इंग्लैंड में एक पत्रकार ने सूचना के अधिकार के अंतर्गत इनकी जानकारी मांगी है तथा एक पुस्तक ÷वन लाईफ मैनी लव्ज" (one life many loves) शीघ्र ही प्रकाशित होने वाली है, परंतु इंग्लैंड की सरकार, दबाव बना रही है कि माउंटबेटन की डायरियों का खुलासा ना किया जाए क्योंकि यदि माउंटबेटन और एडविना की डायरियों का खुलासा हुआ तो बहुत से उदारवादी निर्वस्त्र हो जाएंगे और सत्ता के लिए संघर्ष का भी आईना साफ हो जाएगा। आशा करते हैं कि बहुत जल्दी ही यह पुस्तक प्रकाशित होगी।

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है।

नागरिकों को खुद बचानी है अपनी आजादी

अजीत द्विवेदी

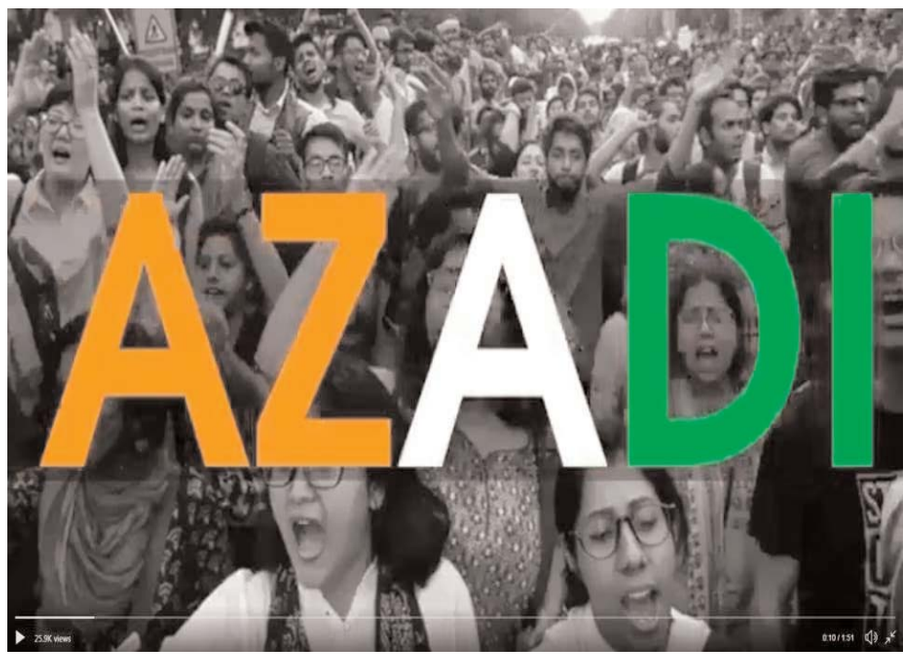

दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है।

असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है।

मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी।

इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि '25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी'। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, 'आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैं'। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, 'समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है। मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं है'। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है।

अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं? हम इस प्रचार का हिस्सा बन रहे हैं कि लड़कियों को 25 साल की उम्र तक माता पिता की पसंद से शादी कर लेनी चाहिए नहीं तो उसको 'चार जगह मुंह मारने वाला' कहा जाएगा, उसको चरित्रहीन ठहराय जाएगा और रिश्ते निभाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया जाएगा! यह एक बहुत बड़ा विषय है, जिसकी गहराई में जाएं तो बहुत पन्ने काले करने होंगे लेकिन मुख्य रूप से यह स्त्रियों की पढ़ने लिखने, नौकरी करने, अपनी योग्यता साबित करने और उम्र के किसी भी पड़ाव पर अपनी पसंद से शादी करने या अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने की आजादी को सीमित करने का प्रयास है।

पता नहीं क्यों भारत का समाज स्त्रियों से इतना घबराया हुआ है कि ये कथित साधु संत आगे किए गए हैं आजादख्याल स्त्रियों को चरित्रहीन साबित करने और उनकी आजादी को नियंत्रित करने के लिए? ऐसा लग रहा है कि आजादी के 78 साल बाद भारत के सत्ता तंत्र को समझ में आ गया है कि जोर जबरदस्ती से आजादी को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है तो उसने धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि के नाम पर खान पान, पहनावे और स्त्री पुरुष संबंधों को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया है। नागरिक समाज खुशी खुशी इसमें शामिल हो रहा है। उसको लग रहा है कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है इसलिए उसको अपनी आजादी और अपनी पसंद का समर्पण कर देना चाहिए। असल में यह मानसिक गुलामी का प्रतीक है। यह ध्यान रखें अगर किसी समाज में नागरिकों के खान पान, पहनावे और निजी व सामाजिक संबंधों को किसी भी स्तर पर नियंत्रित कर लिया गया तो उससे उसकी राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान हो जाएगा।

भारत में ये कैसा दूध बेचना चाहता है अमेरिका?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ संबंधी घोषणाएं करके भारत पर बेवजह दबाव बनाने में लगे हैं। उन्होंने 1 अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एकतरफा निर्णय ले लिया है। यही नहीं ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने की वजह से अतिरिक्त जुर्माना लगाने की बात भी कही है। यह टैरिफ देशी भारतीय दुग्ध एवं कृषि उत्पाद हड़पने की दृष्टि से भी लगाया गया है, जिससे भारत दबाव में आकर इन उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दे। लेकिन भारत भली-भांति जानता है कि अमेरिका के सस्ते अनाज और मांसाहारी दूध के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाता है तो किसान तो तबाह होगा ही शाकाहारी संस्कृति को भी पलीता लगेगा।

प्रमोद भार्गव

साथ ही भारत सरकार जिन प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) को बढ़ावा देकर कृषि और दूध उत्पादों को वैश्विक बाजार में लाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रही है, वह विचार भी चकनाचूर हो जाएगा।

संस्कृति से छेड़छाड़-इसलिए सरकार ने साफ कह दिया है कि इन क्षेत्रों में बाहरी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं है। वैसे भी अब यह सच्चाई सामने आ रही है कि एकतरफा वैश्वीकरण से दुनिया का भला होनेवाला नहीं है। अतएव स्वदेशी उत्पादों के जरिए ही आत्मनिर्भर बने रहने की पहल जारी रखनी होगी। भारत इस दिशा में मजबूती से बढ़ भी रहा है इसलिए ट्रंप जैसे वाचाल और सनकी शासक की परवाह करने की जरूरत नहीं है। भारत में गाय को माता यूं ही नहीं कहा जाता है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर अमेरिकी बाजार के कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर भी टिकी हैं। इस बाबत अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। इसी समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल हैं। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया है कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है।

दरअसल, अमेरिका चीज, पनीर भारत में बेचने का इच्छुक है। इस चीज को बनाने की प्रक्रिया में बछड़े की आंत से बने एक पदार्थ का इस्तेमाल होता है। इसे अत्यंत घिनौना कृत्य करके चीज में मिलाया जाता है। शाकाहारी लोग इस प्रक्रिया को देख भी नहीं सकते हैं। इसलिए भारत के शाकाहारियों के लिए यह पनीर वर्जित है। गौ-सेवक व गऊ को मां माननेवाला भारतीय समाज इसे स्वीकार नहीं करता। अमेरिका में गायों को मांसयुक्त चारा खिलाया जाता है, जिससे वे ज्यादा दूध दें। हमारे यहां गाय-भैंसें भले ही कूडे-कचरे में मुंह मारती फिरती हों, लेकिन दुधारू पशुओं को मांस खिलाने की बात कोई सपने में भी नहीं सोच सकता? लिहाजा, अमेरिका को चीज बेचने की इजाजत नहीं मिल पा रही है।

उपलब्धि का शिखर-भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल, फिरंगी हुकूमत के दौरान पॉल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवनशैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करनेवाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है। मिशिगन स्टेट विवि से मैकेनिकल इंजीनियरिंग करके भारत लौटे वर्गीज कुरियन ने सरकारी नौकरी छोड़कर इस संस्था में काम शुरू किया और भारत का पहला दूध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किया। इसके बाद किसानों की ज्ञान परंपरा और कुरियन के यांत्रिक गठबंधन से इस संस्था ने उपलब्धि का शिखर चूम लिया।बिना किसी सरकारी मदद के बूते देश में दूध का 70 फीसदी कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस कारोबार में ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे बड़ी मात्रा में दुग्ध उत्पादन में सफल हैं, बल्कि इसके सह-उत्पाद दही, मठा, घी, मक्खन, पनीर, मावा आदि बनाने में भी मर्मज्ञ हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम् भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं।

महादेव घाट में बड़ा हादसा खारुन नदी में गिरा तेज रफ़्तार ट्रक

रायपुर। राजधानी से लगे महादेव घाट में रविवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अमलेश्वर से रायपुर की ओर आ रहा एक तेज रफ्तार हाइवा ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे खारून नदी में जा गिरा। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अनियंत्रित ट्रक ने नदी में गिरने से पहले घाट के पास एक पान ठेले को जोरदार टक्कर मारी। इस दौरान मौके पर मौजूद लोग समय रहते हट गए और बाल-बाल बच गए। वहीं, चालक भी किसी तरह बाहर निकलकर सुरक्षित बच गया। मिली जानकारी के अनुसार हादसे के समय ट्रक चालक नशे की हालत में था और उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ट्रक की दिशा थोड़ी भी बदल जाती, तो कई लोग इसकी चपेट में आ सकते थे और बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने भारी वाहनों पर नियंत्रण और नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। फिलहाल क्रेन की मदद से ट्रक को बाहर निकालने का प्रयास जारी है।

रायपुर में बनेगा 'केंद्रीय विहार': 1000 सरकारी फ्लैट निर्माण को मंजूरी

रायपुर। राजधानी में सरकारी कर्मचारियों के लिए एक ऐतिहासिक आवासीय परियोजना शुरू होने जा रही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों से केंद्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण आवास संगठन (CGEWHO) ने 'केंद्रीय विहार' योजना के अंतर्गत 1000 फ्लैट्स के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह प्रदेश की पहली केंद्रीय आवासीय परियोजना होगी, जिसमें केंद्र, राज्य और सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और किफायती आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

सांसद अग्रवाल की पहल:सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस योजना का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था, जिसमें रायपुर के केंद्रीय स्थान पर 1000 से अधिक फ्लैट बनाने की सिफारिश की गई थी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक आवासीय परियोजना नहीं, बल्कि सरकारी कर्मचारियों के लिए ÷सम्मान और सुविधा का नया अध्याय है।

CGEWHO की प्रतिक्रिया:CGEWHO के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गगन गुप्ता ने कहा कि रायपुर में केंद्रीय कर्मचारियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। उन्होंने सांसद अग्रवाल की तत्परता और गंभीरता की सराहना की और कहा कि भूमि उपलब्ध होते ही परियोजना का पहला चरण शुरू कर दिया जाएगा।

भूमि आवंटन की तैयारी:इसके लिए सांसद अग्रवाल ने राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, आरडीए अध्यक्ष नंद कुमार साहू, राजस्व सचिव, रायपुर कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त से 5 से 7 एकड़ बाधारहित भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण मॉडल:CGEWHO, जो आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन है, अपनी 'न लाभ, न हानि' नीति, पारदर्शी कार्यप्रणाली और RERA अनुरूप परियोजनाओं के लिए जाना जाता है। देशभर में 35 से अधिक परियोजनाओं की सफलता के बाद, रायपुर की यह योजना छत्तीसगढ़ में नई मिसाल बनने जा रही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास÷ संकल्प के अनुरूप इस परियोजना को जल्द धरातल पर उतारना उनका लक्ष्य है।

पद्मश्री डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन एम्स रायपुर के अध्यक्ष बने

रायपुर। पद्मश्री डॉ. बुधेन्द्र कुमार जैन को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) रायपुर का अध्यक्ष बनाया गया है। वे वर्तमान में सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुंड, चित्रकूट के नेत्र चिकित्सालय के निदेशक हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह नियुक्ति की है। जानकीकुंड चिकित्सालय से शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. जैन को इस वर्ष उनके पांच दशकों के नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने इस नई जिम्मेदारी के लिए भारत सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय का हृदय से आभार प्रकट किया है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे ह॥स्के 16 हजार कर्मचारी

आपातकालीन सेवाएँ भी रहेंगी बंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के 16 हजार से ज्यादा कर्मचारी 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि इस दौरान आपातकालीन सेवाएँ भी बंद रहेंगी।

NHM कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में अनुकम्पा नियुक्ति, संविलियन, नियमित भर्ती में आरक्षण, स्थानांतरण नीति, 27 प्रतिशत लंबित वेतन वृद्धि, ग्रेड पे निर्धारण, मेडिकल और अन्य अवकाश शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने 15 अगस्त तक का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया।

कर्मचारियों की चेतावनी:NHM कर्मचारी संगठन ने शासन को पहले ही सूचित कर दिया था कि यदि मांगे पूरी नहीं की गई तो वे 18 अगस्त से काम और कलम बंद कर देंगे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि सरकार यदि अब भी त्वरित निर्णय नहीं लेती तो वे बाध्य होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे।

इस हड़ताल से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर असर पड़ सकता है क्योंकि बड़ी संख्या में कर्मचारी अपने काम से अलग हो जाएंगे।

श्रीकृष्ण-जन्मोत्सव पर मंदिरों में गूंजा जय कन्हैया लाल की, दर्शन के लिए उमड़ी भीड़, 1100 किलो मालपुए का भोग; CM ने बच्चों को खिलाए लड्डू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। देशभर के साथ छत्तीसगढ़ में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। प्रदेशभर के श्रीकृष्ण मंदिरों को सजाया गया है। मंदिरों के साथ ही अलग-अलग जगहों पर देर रात तक भजन-कीर्तन का दौर जारी रहा। कई जगहों पर मटकी फोड़ के आयोजन किए गए। रायपुर के टाटीबंध स्थित इस्कॉन टेंपल में जन्माष्टमी महोत्सव चल रहा है। जैतूसाव मठ में भगवान को 1100 किलो मालपुए का भोग लगाया गया। इसके अलावा सरगुजा, बिलासपुर और रायगढ़ में भी कृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। सरगुजा में भक्त हरिनाम कीर्तन की धुन पर झूमते हुए हरे कृष्ण-हरे राम के महामंत्र में डूबे हुए दिखाई दिए। अलग-अलग शहरों में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रायपुर में CM हाउस में मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी:रायपुर स्थित सीएम

हाउस में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। इस दौरान सीएम ने बच्चों को लड्डू खिलाए और चॉकलेट बांटी। वहीं, समता कॉलोनी स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर में सुबह दुग्धाभिषेक से अनुष्ठान की शुरुआत हुई। सिटी कोतवाली में भी जन्माष्टमी मनाई गई। यहां कारागार में ठाकुरजी का जन्म हुआ। वासुदेव टोकरी में उन्हें लेकर बाहर आए। श्रीकृष्ण के जयकारे के बीच उन्हें सदर बाजार के गोपाल मंदिर लाया गया। रायपुर के इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा पेश कर रहा है। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में उमड़ पड़ी रही। भक्तगण हरिनाम कीर्तन की धुन पर झूमते हुए हरे कृष्ण-हरे राम के भजन में डूबे रहे।

जैतूसाव और दूधाधारी मठ में उत्सव:रायपुर के जैतूसाव मठ में मालपुआ बनाया गया है। पुरानी बस्ती के श्री जैतूसाव मठ में शनिवार रात 8 बजे से भजन संध्या की शुरुआत हो गई थी। रात 12 बजे जन्म आरती हुई। भगवान को 11 क्विंटल मालपुआ और 51 किलो पंजीरी का भोग चढ़ाया गया। रविवार को दोपहर 1 बजे राजभोग आरती कर शाम 5 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं, दूधाधारी मठ में प्रसाद के लिए

धनिया की पंजीरी तैयार की गई।

बिलासपुर में श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे लोग:बिलासपुर में लड्डू गोपाल के जन्मोत्सव पर मंदिरों में भक्ति और उल्लास का माहौल छा गया। रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिरों में घंटा-घड़ियाल और जयकारों की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर दर्शन के लिए उमड़ पड़े।जन्मोत्सव के बाद से शहर के मंदिरों में लगातार भजन-कीर्तन होते रहे। भक्तजन मधुर भजनों और संकीर्तन पर झूमते हुए श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे नजर आए। पूरा वातावरण कृष्ण प्रेम और भक्ति रस से सराबोर हो गया।

राजनांदगांव में जन्माष्टमी पर्व का उल्लास:राजनांदगांव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उल्लास और भक्ति भाव से मनाया गया। शहर के विभिन्न श्रीकृष्ण मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तजन भजन-कीर्तन और संकीर्तन में शामिल होकर दिनभर कृष्ण भक्ति में सराबोर रहे। जैसे ही घड़ी ने रात 12 बजाए, पूरे शहर में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम मच गई। मंदिरों में जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। भक्तजन भक्ति भाव में लीन होकर जन्माष्टमी का पर्व आनंद और श्रद्धा के साथ मनाते नजर आए।

अंबिकापुर में जन्माष्टमी की रौनक:अंबिकापुर के ऐतिहासिक राधा वल्लभ मंदिर में जन्माष्टमी पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्ति गीतों और कीर्तन से मंदिर परिसर गूंज उठा है और भक्तजन श्रीकृष्ण के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया। मंदिर में विशेष सजावट की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शहरभर में जन्माष्टमी को लेकर उल्लास का माहौल रहा। राधा वल्लभ मंदिर में ठीक रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

मनेंद्रगढ़ में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़:मनेन्द्रगढ़ में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। शहर के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और हर कोई भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन दिखाई दिया। भजन-कीर्तन और संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर सभी प्रमुख मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

जिले में हाई-टेंशन तार बना मौत का साया, टाटा मोटर्स के संचालक ने लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में टाटा मोटर्स के शोरूम मनेंद्रगढ़ के ऊपर से गुजर रहे 33 केवी हाई-टेंशन तार को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। शोरूम के संचालक अजीत सिंह पत्नी लीला सिंह ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि इस तार की वजह से पहले भी दो लोगों की मौत हो चुकी है, और अब यह कभी भी एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

जानलेवा तार, अनसुनी गुहार: अजीत सिंह ने बताया कि उनके टाटा मोटर्स शोरूम के ऊपर से गुजर रहे इस हाई-

टेंशन तार की चपेट में आकर दो लोगों की जान जा चुकी है, जिसका मामला अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है। इस खतरे को देखते हुए, उन्होंने वर्ष 2019 में ही तार को हटाने के लिए सीएसपीडीसीएल अंबिकापुर को एक आवेदन दिया था।

पावर कंपनी ने तार को शिफ्ट करने के लिए 9 लाख 9 हजार रुपये का कोटेशन जारी किया, जिसका भुगतान अजीत सिंह ने उसी साल चालान के जरिए कर दिया था। इसके अलावा, उन्होंने शिफ्टिंग में लगने वाले पोल और अन्य जरूरी सामान भी खरीदकर ठेकेदार को सौंप दिए थे।इतना सब करने के बावजूद, पांच साल बीत जाने के बाद भी सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों ने इस हाई-टेंशन तार को शिफ्ट नहीं किया है। अजीत सिंह ने कई बार लिखित में मनेंद्रगढ़ स्थित सीएसपीडीसीएल कार्यालय को इसकी जानकारी दी, लेकिन उनकी गुहार को अनसुना कर दिया गया।

बारिश के बाद भी उमस से राहत नहीं, प्रदेश में कमजोर मानसून

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में बारिश के बावजूद लोगों को उमस से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस समय मानसून की स्थिति कमजोर है। हालांकि आज कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की गतिविधि होने की संभावना है। वहीं कल 18 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के आसार हैं।

इसका असर मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ में देखने को मिल सकता है, जिससे वहां बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल राज्य के अन्य हिस्सों में सामान्य या हल्की बारिश ही देखने को मिलेगी।

चिरमिरी क्षेत्र में पीलिया का प्रकोप स्वास्थ्य मंत्री का दौरा

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। एमसीबी जिले के चिरमिरी में पीलिया का प्रकोप तेजी से फैल रहा है, विशेष रूप से छोटा बाज़ार क्षेत्र में। इस गंभीर स्थिति का मुख्य कारण दूषित पानी की आपूर्ति को माना जा रहा है, जिससे अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए,प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,जिला कलेक्टर ने क्षेत्र का दौरा किया निर्देश दिए हैं । वहीं जिला प्रशासन पीलिया के फैलाव को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

जिला प्रशासन ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक में चिरमिरी के एसडीएम, एमसीबी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एसईसीएल के चिरमिरी क्षेत्र प्रबंधक और अन्य प्रमुख सदस्य शामिल थे। इस बैठक में पीलिया के प्रकोप को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं।प्रशासन के निर्देशानुसार, एक मेडिकल टीम छोटा बाज़ार में घर-घर जाकर लोगों को साफ-सफाई और पीलिया से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक कर रही है। यह टीम लोगों को इस बीमारी के लक्षणों और इससे बचने के उपायों के बारे में भी जानकारी दे रही है।

पीलिया के इस प्रकोप का सबसे बड़ा कारण क्षेत्र में दूषित जल की आपूर्ति बताया जा रहा है। जब एसईसीएल द्वारा संचालित जल शोधन यूनिट का दौरा किया गया, तो वहाँ पीएचई विभाग के अधिकारी निरीक्षण करते हुए पाए गए।जानकारी के अनुसार, वाटर फिल्टर प्लांट का क्लोरिनेटर प्लांट कई महीनों से खराब पड़ा है, जिसकी वजह से पानी को मैन्युअल तरीके से क्लोरिनेट किया जा रहा है।सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि एसईसीएल सीधे खदान से निकलने वाले गैस मिश्रित पानी को भी क्षेत्र में आपूर्ति कर रहा है, जिसे पीलिया जैसी गंभीर बीमारियों का मुख्य कारण माना जा रहा है।पीलिया के बढ़ते मामलों का प्रमाण एमसीबी के जिला अस्पताल में साफ देखा जा सकता है, जहाँ कई मरीज भर्ती हैं। दुख कि बात यह कि पिछले हफ्ते पीलिया के कारण तीन मरीजों की मौत भी हो चुकी है। हालांकि, कुछ मरीज इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि कई अन्य का इलाज अभी भी अस्पताल में जारी है।

क्षेत्र के लोग अब प्रशासन से जल्द से जल्द दूषित पानी की समस्या का समाधान करने की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि लोग इन खतरनाक बीमारियों से बच सकें। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, प्रशासन के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वह जल्द से जल्द पानी की गुणवत्ता को सुनिश्चित करे और लोगों को सुरक्षित रखे।

रायपुर में 'हाउस चर्च' पर रोक, ईसाई समुदाय बोला: संवैधानिक अधिकारों का हनन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ज़िला प्रशासन ने ईसाई समुदाय द्वारा घरों में आयोजित प्रार्थना सभाओं, जिन्हें 'हाउस चर्च' कहा जाता है, पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक है, जबकि ईसाई समाज इसे धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बता रहा है।

प्रशासन का तर्क:रायपुर पुलिस और ज़िला प्रशासन ने पादरियों व प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि अब प्रार्थना केवल अधिकृत और रजिस्टर्ड चर्चों में ही की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि हाउस चर्च की आड़ में धर्मांतरण गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे सामाजिक तनाव और विवाद बढ़ सकता था।

प्रशासन ने यह भी कहा कि किसी भी धार्मिक या सामाजिक आयोजन के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है, लेकिन इन सभाओं में नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

ईसाई समुदाय का विरोध:ईसाई समाज ने प्रशासन के आदेश पर कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि हाउस चर्च कोई नई परंपरा नहीं है बल्कि दुनिया भर में मान्य धार्मिक प्रथा है। ग्रामीण इलाक़ों या जहाँ चर्च नहीं है, वहाँ लोग घरों में शांति से प्रार्थना करते हैं।

समुदाय ने धर्मांतरण के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन पर बजरंग दल जैसे संगठनों द्वारा झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है और यहाँ तक कहा है कि वे अपने घरों में सीसीटीवी लगाने को भी तैयार हैं।

संवैधानिक पहलू:भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है। प्रशासन इसी प्रावधान का हवाला दे रहा है, जबकि समुदाय अपने अधिकारों पर अडिग है।

अदालत की शरण:ईसाई समाज ने इस रोक को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि केवल शिकायतों के आधार पर किसी समुदाय की धार्मिक गतिविधियाँ रोकी जाती हैं, तो यह लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना के लिए खतरा बन सकता है। अब सभी की निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं कि वह इस संवेदनशील मुद्दे पर क्या दिशा-निर्देश देती है।

गाय का मृत बछड़ा कचरे के ढेर में मिला, सड़क पर शव रखकर जाम; विहिप ने अवैध पशुपालकों पर कार्रवाई करने कहा

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में शनिवार दोपहर 12.30 बजे अमृत सागर सागर तालाब किनारे स्थित गार्डन के सामने गाय का बछड़ा मृत अवस्था में मिला। बछड़े को एक बोरे में भरकर कचरे के ढेर में फेंक रखा था। इस बात की सूचना मिलने पर ब ड़ी संख्या में हिन्दू संगठन एकत्र हो गए। समय पर नगर निगम के कोई अधिकारी नहीं आने पर बाजना बस स्टैंड चौराहे पर मृत बछड़े को रख चक्काजाम कर दिया। साथ ही 5 दिन में कार्रवाई करने की बात करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। दरअसल, हिंदू संगठन मृत बछड़े को लेकर नगर निगम के लिए निकले थे। रास्ते में लक्कड़पीठा क्षेत्र में निगम कमिश्नर अनिल भाना पहुंच गए। वहीं रास्ते में रुक कर हिन्दू संगठन विरोध जताने लगे। हिंदू संगठनों की मांग है शहर में अवैध रूप से पशु पालन किया जा रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। आशंका जताई जा रही है बछड़े की मौत के बाद कोई कचरे के ढेर में फेंक गया है।

बजरंग दल, गो रक्षा प्रमुख, हिंदू जागरण मंच समेत तमाम संगठन के पदाधिकारी एकत्र होकर जाम लगाया। मौके पर सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, एसडीओपी किशोर पाटनवाला, समेत शहर के सभी थाना प्रभारी बल के साथ मौके पर हैं।

विहिप गोरक्षा प्रमुख बोले- जांच की जाए : विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा प्रमुख योगेश चौहान ने बताया कि आज सुबह हमें सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो कचरे के ढेर में गाय के बछड़े का शव बोरे में मिला। बछड़े का सिर बोरे से बाहर था। शरीर के अन्य अवशेष भी अलग-अलग-बिखरे हुए थे। शव तीन से चार दिन पुराना लग रहा है। कुत्तों द्वारा नोचा गया है। ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है। पहले भी हमने एफआईआर दर्ज कराई है लेकिन कार्रवाई नहीं की।

हमारी मांग है कि शहर में जितने भी गो पशु पालक हैं उनकी जांच की जाए। गोमाता के मरने के बाद कचरे के ढेर में फेक दिया जाता है। ऐसे पशुपालकों पर कार्रवाई की जाए। शहर में नगर निगम द्वारा मटन की 35 दुकानों का लाइसेंस है। इसके अलावा अवैध रूप से कई दुकानें हैं, जिनकी भी जांच होना चाहिए।

निगम अधिकारी नहीं आए तो शव लेकर निकल गए पैदल : बाजना बस स्टैंड पर बछड़े का शव रख करीब पौन घंटे तक जाम किया गया। इस दौरा नगर निगम कमिश्नर व निगम के अन्य अधिकारियों को कॉल किया लेकिन किसी ने रिसीव नहीं किया। पदाधिकारी चाहते थे कि मौके पर निगम के अधिकारी आएं।

उन्हें बताएं कि शहर में अवैध रूप से पशुओं का पाल कर छोड़ दिया जाता है। मरने पर कचरे के ढेर में फेंक दिया जाता है। नगर निगम की मिलीभगत से यह सब कुछ चल रहा है। जब अधिकारी नहीं आए तो बछड़े के शव लेकर हिंदू संगठन नगर निगम के लिए निकल गए। लक्कड़पीठा तक पहुंचे ही थे कि निगम कमिश्नर अनिल भाना व अन्य अधिकारी आए। पदाधिकारियों ने जमकर नारेबाजी जताई। कचरे के ढेर के स्थान पर सीसीटीवी लगाने को कहा। पदाधिकारियों ने कहा कि शहर में कई स्थानों पर विशेष समुदाय द्वारा अवैध रूप से पशुओं को रखा जा रहा है। उन्हें खुला सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। शहर के राजीव गांधी सिविक सेंटर में विशेष समुदाय के लोगों के अतिक्रमण कर पशुओं को रखा है। अतिक्रमण हटाकर पशुओं को गोशाला में पहुंचाया जाए।

पांच दिन का अल्टीमेटम : प्रदर्शन कर बजरंग दल समेत अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने पांच दिन में राजीव गांधी सिविक सेंटर क्षेत्र से अतिक्रमण को नहीं हटाया जाता है को बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है। कार्रवाई के आश्वासन के बाद सभी माने और प्रदर्शन खत्म किया।

सागौन तस्करी के खिलाफ वन विभाग की कार्रवाई, तीन गिरफ्तार: रायसेन में कार से 7 लकड़ियां, बाइक से एक लट्ठा जब्त

रायसेन, एजेंसी । रायसेन में वन विभाग ने सागौन की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। टीम ने गढ़ी और सिलवानी में छापेमारी की। सिलवानी क्षेत्र में रात को की गई कार्रवाई में एक मारुति 800 कार से 7 सागौन लकड़ी जब्त की है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी को हिरासत में लिया गया : गढ़ी रेंज में शाम को की गई दूसरी कार्रवाई में एक मोटरसाइकिल से एक सागौन का लट्ठा बरामद किया गया। इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया।

गाड़ियां जब्त करने की कार्रवाई शुरू : वन विभाग ने दोनों मामलों में वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई वन मंडल अधिकारी प्रतिभा शुक्ला के निर्देशन में की गई।

लव जिहाद के विरोध में इछावर बंद: मोहसिन ने राहुल बनकर युवती से बनाए संबंध, हिंदू संगठनों ने कार्रवाई की मांग की

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के इछावर में लव जिहाद के मामले को लेकर रविवार को पूरा शहर बंद है। सीवन नदी के किनारे बजरंग दल ने एक युवक-युवती को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। जांच में सामने आया कि आरोपी मोहसिन भोपाल के निशातपुरा का रहने वाला है। मोहसिन ने खुद को राहुल बताकर पीड़िता से दोस्ती की। उसने युवती से शारीरिक संबंध बनाए और बाद में धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

हिंदू समाज ने कड़ी कार्रवाई की मांग की : कोतवाली टीआई रविन्द्र यादव के अनुसार, घटना और पीड़िता भोपाल से जुड़ी होने के कारण केस डायरी निशातपुरा थाने भेज दी गई है। हिंदू समाज ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष ललित वर्मा ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

आरोपी के मकान और संस्थान को ध्वस्त करने की मांग : यह क्षेत्र राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का विधानसभा क्षेत्र है। हिंदू संगठनों ने आरोपी के मकान और संस्थान को ध्वस्त करने की मांग प्रशासन से की है।

खंडवा में मटकी फोड़ कार्यक्रम में चाकूबाजी: साले ने जीजा पर किया हमला, सीने में चार टांके आए, बहन ने लव मैरिज की थी

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में जन्माष्टमी के मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान रात 11:30 बजे सिनेमा चौक पर चाकूबाजी की घटना हुई। बाइक से आए बदमाश ने युवक के सीने पर वार किया। घायल युवक दिनेश मालाकार (22) ने हिम्मत दिखाई और खुद बाइक से जिला अस्पताल पहुंचा। डॉक्टरों ने उसके सीने पर चार टांके लगाए। आरोपी की पहचान दिनेश के साले यश पचौले निवासी रामनगर के रूप में हुई है। पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन आरोपी भाग निकला।

चलती बाइक से किया वार : घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। दिनेश मालाकार गणेश तलाई का रहने वाला है। वह मटकी फोड़ कार्यक्रम में शामिल होने आया था। इसी दौरान बाइक पर आए यश पचौले ने चलते-चलते उसके सीने पर चाकू से वार किया और फरार हो गया।

बहन से लव मैरिज पर थी रंजिश : जानकारी के अनुसार दिनेश ने नवंबर 2023 में रामनगर की युवती से लव मैरिज की थी और वह इंदौर में पत्नी के साथ रह रहा है। युवती के भाई यश को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। इसी रंजिश में उसने पहले भी विवाद किया था और अब चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद दिनेश ने हिम्मत दिखाई और खुद बाइक से अस्पताल पहुंच गया। उसका इलाज जारी है। परिजन बताते हैं कि युवती ने अब तक अपने परिवार को शादी की जानकारी नहीं दी थी।

सागर में रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव: घर से अहमदाबाद जाने का बोलकर निकला था, पिपरिया रहली का रहने वाला था

सागर, एजेंसी। सागर के भूतेश्वर रेलवे फाटक के पास शनिवार को 24 वर्षीय युवक का शव ट्रैक पर मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान पिपरिया रहली निवासी सुनील पटेल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की जानकारी आसपास के लोगों ने दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक की जेब से मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान हुई। इसके बाद परिवार को सूचना दी गई।

अहमदाबाद जाने का कहकर निकला था घर से : परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि सुनील अहमदाबाद जाने की बात कहकर घर से निकला था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन सागर पहुंचे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और मामला दर्ज किया है।

ट्रेन की चपेट में आने की आशंका : मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। उन्होंने कहा कि मृतक ट्रेन के सामने आया था या ट्रेन से गिरा, इस बिंदु पर जांच की जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य पहलुओं के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

पिता-भाई ने रॉड से पीट-पीटकर मार डाला:जबलपुर में छोटे बेटे ने मांगी थी बाइक, नहीं देने पर हुआ विवाद; दोनों आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर में पिता और भाई ने युवक को रॉड से पीट-पीटकर मार डाला। दोनों आरोपी भागने की फिराक में थे, इससे पहले ही दोनों को शनिवार देर रात पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। युवक की हत्या 15 अगस्त (शुक्रवार) को हुई थी। दोनों आरोपी पिता-भाई को रविवार को विशेष कोर्ट में पेश किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को विशन मार्को ने बरगी घूमने जाने के लिए घर से बाइक उठाई। उसके बड़े भाई अरविंद मार्को ने उसे बाइक ले जाने से रोक दिया। विशन ने कहा कि आधे घंटे में वापस आ जाऊंगा। अरविंद नहीं माना और बाइक की चाबी अपने पास रख ली। इसके बाद दोनों भाइयों में विवाद शुरू हो गया। पिता जगदीश मार्को ने दोनों को शांत कराया। तभी विशन ने पत्थर उठाकर बाइक की टंकी पर पटक दिया, जिससे बाइक गिर गई। इससे भड़के जगदीश और अरविंद ने घर में ही रखी लोहे की रॉड निकाली और विशन पर टूट पड़े। दोनों ने विशन को तब तक मारा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

आरोपियों ने शव को कमरे में छिपाया : विशन की मौत के बाद आरोपियों ने शव को घर के एक कमरे में छिपा दिया। शनिवार सुबह दोनों आरोपियों ने चुपचाप गांव छोड़ दिया। जिस घर में वारदात हुई, उसी के बगल से विशन के चाचा राकेश मार्को भी रहते हैं। उन्होंने बरगी थाने जाकर पुलिस को बताया कि देर रात जगदीश और उसका बड़ा बेटा अरविंद विशन को रॉड से मार रहे थे। आज सुबह देखा कि दोनों छिपकर कहीं जा रहे हैं।

पुलिस को कमरे से मिला शव : जानकारी के बाद बरगी थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्हें घर के एक कमरे से विशन का शव मिला। शव का पंचनामा करवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। इधर, पुलिस की एक टीम हत्यारे पिता-पुत्र की तलाश में निकल गई। बस से भागने की फिराक में थे पुलिस को शनिवार की शाम को पता चला कि जगदीश मार्को और अरविंद मार्को बरबटी गांव के बस स्टैंड के पास बैठे हुए हैं।

नर्मदापुरम में कृष्ण जन्मोत्सव के बाद मटकी फोड़: बच्चों ने 12 फीट ऊंचाई पर बंधी मटकी फोड़ी, फिर निकली शोभायात्रा

नर्मदापुरम, एजेंसी। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शनिवार रात 12 बजे से शहर के प्रमुख मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। सेठानी घाट स्थित राधा कृष्ण मंदिर, जगदीश मंदिर, गोपाल मंदिर, श्री जी मंदिर और ग्वालटोली स्थित काली मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा-अर्चना की। ग्वालटोली काली मंदिर में भजन भी आयोजित किए गए। यादव समाज ने सिंधी कॉलोनी से रात 10 बजे श्री वासुदेव और श्री कृष्ण की शोभायात्रा निकाली।

रविवार को दही लीला और मटकी फोड़ की लीला : दूसरे दिन रविवार को दही लीला और मटकी फोड़ की लीला हुई। बच्चों ने 12 फीट ऊंचाई पर बंधी मटकी फोड़ी। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर मटकी फोड़ का आयोजन हुआ और उत्सव में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

भव्य शोभायात्रा और झांकियां : सुबह 10 बजे ग्वालटोली काली मंदिर से भव्य श्री कृष्ण शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा में झांकियां सजाई गई हैं और महारास का आयोजन भी किया गया। इसे देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उत्सव का आनंद लिया।

इस्कॉन मंदिर समिति का आयोजन : जन्माष्टमी के अवसर पर इस्कॉन मंदिर समिति ने चक्कर रोड स्थित निजी गार्डन में कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया। इसमें भगवान कृष्ण की लीला और कथाओं का नाट्यमंचन किया गया। रात के समय आयोजित उत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। शहर के कई अन्य स्थानों पर भी मटकी फोड़ और जन्मोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

छतरपुर में आवारा पशु छोड़ने वालों पर कार्रवाई-धमौरा के 5 पशुपालकों पर एफआईआर

छतरपुर , एजेंसी। छतरपुर के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जैसवाल ने आवारा पशुओं को गौशालाओं में शिफ्ट करने का आदेश दिया था। इस आदेश का उल्लंघन करने पर धमौरा गांव के 5 पशुपालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर ने 6 अगस्त 2025 को एक सप्ताह के भीतर सभी आवारा पशुओं को गौशालाओं में स्थानांतरित करने के निर्देश जारी किए थे। आदेश में पशुओं को खुले में छोड़ने वालों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी।

एसडीएम ने किया था निरीक्षण : 13 अगस्त को एसडीएम अखिल राठौर के नेतृत्व में टीम ने धमौरा का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर पशु खुले में घूमते मिले। कई बार समझाने के बाद भी पशुपालकों ने पशुओं को सड़कों पर छोड़ना जारी रखा। थाना ओरछा रोड में देवेंद्र यादव, भगवानदास कुशवाहा, ओमप्रकाश यादव, राकेश तिवारी और सुनीता यादव के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इन पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 और न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की गई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया कि यह कार्रवाई सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

18 अगस्त को बाबा महाकाल की शाही सवारी-पुजारियों ने सीएम से पालकी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की, बोले-पगड़ी निकलने का रहता है डर

18 अगस्त को भगवान महाकाल की राजसी (शाही) सवारी निकलेगी। इस दौरान देशभर से श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। पिछली सवारियों के अनुभव को देखते हुए महाकालेश्वर मंदिर पुजारी समिति के महामंत्री महेश पुजारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भगवान महाकाल की सवारी की पालकी के लिए विशेष सुरक्षा की मांग की है।

महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मंदिर प्रबंध समिति के सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पालकी की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। महाकालेश्वर भगवान की राजशाही सवारी और विजयादशमी (दशहरा) पर शमी पूजन के लिए सवारी फ्रीगंज की ओर जाती है, जहां भक्तों की भारी भीड़ होती है। फिलहाल पुलिस आरोपी यश पचौले की तलाश कर रही है।वे जिला छोड़कर भागने जिस जगह शव मिला वहां ले जाकर गाड़ा जिस स्थान पर बछड़े का शव मिला था, उसी स्थान के आसपास गड्?ढा खोदकर शव को नगर निगम ने गाड़ा। इसके पहले पशु चिकित्सक को बुलाकर शव के जांच कराई। सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया सूचना मिलने तत्काल पुलिस पहुंची है। कुछ मांगे थी उन पर कार्रवाई का आश्वाशन दिया है। नगर निगम से जुड़ी कुछ समस्या थी। हमने घटनाक्रम की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है।

की फिराक में हैं। टीआई टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बड़ी मुश्किल से एक बाइक बैंक से किश्त में ली थी। विशन उसे पटककर नुकसान पहुंचाया। इसी से गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी।

ऐसे में पालकी को चलाने और मूर्ति की सुरक्षा करने में पुजारियों और कहारों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है, जिसके कारण कई बार उन्हें शारीरिक चोट भी आ जाती है। सवारी के दौरान कई भक्त पालकी के पास जाकर भगवान को स्पर्श करने, माला पहनाने और चरण वंदन करने की कोशिश करते हैं, जिससे भगवान की गरिमा को ठेस पहुंचती है। **भगवान की पगड़ी निकलने का डर :** भक्त माला खींचते हैं, कपड़े खींचते हैं। माला पहनाने के दौरान बाबा महाकाल की पगड़ी तक निकल जाने का डर बना रहता है, जो अशोभनीय है। इससे भगवान के विग्रह को क्षति पहुंचने का खतरा रहता है और अव्यवस्था फैलती है। ऐसी स्थिति में कई बार पुजारी, पुलिस और कहार को चोट भी लग जाती है।

सुरक्षा कॉरिडोर बनाए जाएं : बाबा महाकाल की पालकी मंदिर से निकलने से लेकर पुनः मंदिर में सुरक्षित लाने तक की पूरी जिम्मेदारी मंदिर समिति के सुरक्षा अधिकारियों की है। इसलिए महेश पुजारी ने मुख्यमंत्री से विनम्र निवेदन किया है कि धर्मप्रिय सरकार की ओर से ऐसे आदेश जारी किए जाएं, जिनमें पालकी की सुरक्षा के लिए पूरे सवारी मार्ग को बैरिकेड से सुरक्षित कॉरिडोर बनाया जाए। साथ ही मंदिर समिति के सुरक्षा अधिकारियों की ड्यूटी पालकी के साथ लगाई जाए और यह दायित्व सौंपा जाए कि राजसी सवारी और दशहरे की सवारी में कोई अप्रिय घटना या दुर्घटना न हो।

डिंडोरी में बरछी से महिला की हत्या: नाती ने देखी आंगन में खून से लथपथ पड़ी लाश, पड़ोसियों ने बुलाई पुलिस

डिंडौरी, एजेंसी। डिंडोरी के अमरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के जले गांव में शनिवार शाम साढ़े सात बजे एक महिला की बरछी से हत्या कर दी गई। मृतका सावित्री बाई परस्ते अपने दस वर्षीय नाती प्रदीप के साथ रहती थी। घटना के समय नाती बाजार गया हुआ था। जब वह लौटा तो उसने नानी को आंगन में मृत अवस्था में पाया। उसने तुरंत पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। चौकी प्रभारी अतुल हरदहा के अनुसार, सावित्री बाई के पति मोहन परस्ते का देहांत दस साल पहले हो चुका था। उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी श्याम की शादी हो चुकी है, जिनका ससुराल पास के गांव में है। छोटी बेटी पुष्पा रायपुर में नौकरी करती है। पुलिस ने अज्ञात हत्यारे की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। संदेह के आधार पर कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बॉब सिम्पसन के निधन पर आईसीसी ने जताया शोक, 89 की उम्र में ली अंतिम सांस

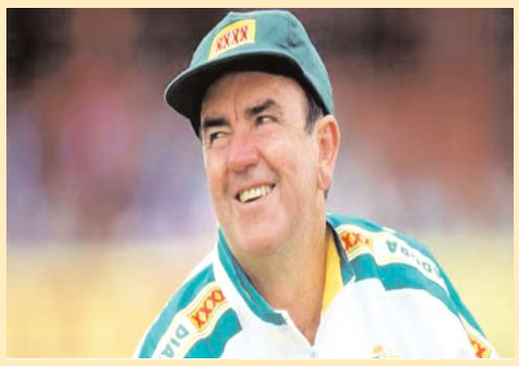

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बॉब सिम्पसन के निधन पर शोक व्यक्त किया और 1990 के दशक में टीम के विश्व क्रिकेट में शिखर तक पहुंचने के दौरान एक खिलाड़ी, कप्तान और कोच के रूप में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक सिम्पसन का शनिवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे।

जय शाह ने सिम्पसन के योगदान को सराहा : आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक बयान में सिम्पसन के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें लंबे समय तक याद रखा जाएगा। शाह ने बयान में कहा, बॉब सिम्पसन खेल के महान खिलाड़ियों में से एक थे और उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। उनकी विरासत बहुत बड़ी है। एक खिलाड़ी, कप्तान और बाद में एक कोच के रूप में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आकार दिया और वैश्विक खेल को प्रेरित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की एक ऐसी पीढ़ी का मार्गदर्शन किया जो आगे चलकर किंवदंतिया बन गए और उनका प्रभाव मैदान से कहीं आगे तक था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से मैं उनके परिवार, दोस्तों और पूरे क्रिकेट जगत के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। उनका निधन खेल के लिए एक बड़ी क्षति है, लेकिन उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और संजोया जाएगा। आईसीसी हॉल ऑफ फेमर सिम्पसन ने 1957 से 1978 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 62 टेस्ट मैच खेले जिसमें 46.81 के औसत से 4,869 रन बनाए। इसमें 10 शतक, 27 अर्धशतक और 311 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है।

प्रशांत बने बीसीसीआई के लेवल-3 कोच

प्रयागराज, एजेंसी। शहर के पूर्व रणजी क्रिकेटर प्रशांत मालवीय अब बीसीसीआई के लेवल-3 कोच बन गए हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की ओर से आयोजित हाइब्रिड लेवल-2 कोचिंग कोर्स का परिणाम पिछले सप्ताह घोषित हुआ। इसमें प्रशांत को 72 प्रतिशत अंक मिले। 70 या इससे अधिक अंक पाने वालों में लेवल-3 कोचिंग के लिए अर्ह माना गया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं लीग कमेटी के चेयरमैन डॉ. सुरेश द्विवेदी ने बताया कि एजी कार्यालय में कार्यरत विकेटकीपर बल्लेबाज प्रशांत मालवीय ने उत्तर प्रदेश की अंडर-16, अंडर-19 और सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वर्तमान में वह एसीए की सीनियर चयन समिति के सदस्य हैं। प्रशांत लेवल-3 कोचिंग की अर्हता पाने वाले उत्तर प्रदेश के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले शिवाकांत शुक्ला और तन्मय श्रीवास्तव लेवल-3 कोच बन चुके हैं। लेकिन शिवाकांत के मैच रेफरी और तन्मय के अंपायरिंग के क्षेत्र में जाने के बाद अब प्रशांत यूपी से इकलौते लेवल-3 कोच होंगे। प्रशांत को उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक ताहिर हसन, आरपी भटनागर, डॉ. सुरेश द्विवेदी, एसडी. कौटिल्य, यासर हसन, डॉ. जूली ओझा, अनुराग श्रीवास्तव, सलीम अहमद, एलबी काला, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, सोमेश्वर पांडेय, शिशिर मेहरोत्रा, उत्पल दास, खुर्शीद अहमद, अंकित पांडेय, विवेक सिंह, अजय कुशवाहा, प्रीतेश सोनकर आदि प्रशांत मालवीय को उनकी नयी पारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। 74वें मिनट में, रिडीम त्लांग ने दैमारी को दूर से एक और कलाबाज़ी सेव करने पर मजबूर कर दिया। खेल के अंतिम समय में जब स्थानापन्न जाइरो ने पार्थिब गोगोई के लिए एक शानदार थ्रू बॉल डाली, जिन्होंने अपना संयम बनाए रखते हुए गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया और 4-0 का स्कोर कर जीत को पक्की कर दी। आखिरी सीटी बजने के साथ ही, डूरंड कप में बोडोलैंड का शानदार सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया, जबकि गत विजेता पहुंच गया।

बोडोलैंड को हराकर नॉर्थईस्ट यूनाइटेड सेमीफाइनल में, शिलांग से मुकाबला -नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने बोडोलैंड एफसी को 4-0 हराया

कोकराझार (असम), एजेंसी। गत विजेता बीती नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने कोकराझार स्थित खचाखच भरे साई स्टेडियम में बोडोलैंड एफसी को 4-0 से हराकर 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मोरक्को के स्ट्राइकर अलाएद्दीन अजराय ने दो गोल दागे, जबकि स्पेनिश खिलाड़ी एंडी गार्सिया और स्थानापन्न पार्थिब गोगोई ने भी गोल दागे, जिससे हाईलैंडर्स का अंतिम चार में शिलांग लाजोंग एफसी के खिलाफ रोमांचक मुकाबला तय हो गया। विकास पंथी ने 4-2-3-1 की एक स्थिर लाइनअप उतारी, जिसमें दैमारी गोलकीपर और रॉबिन्सन मुख्य पंक्ति में थे, जिनका साथ प्रांजल और ग्वुम्सर गायरी ने दिया। ग्रुप फ़ाइनल में खिलाड़ियों को आराम देने के बाद, एनई यूएफस के मुख्य कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने अपनी मज़बूत एकादश में वापसी करते हुए, अपनी चिर-परिचित 4-3-3 की लाइनअप उतारी, जिसमें कप्तान मिगुएल ज़बाको बैकलाइन की कमान संभाल रहे थे, गुरमीत सिंह गोलकीपर और अजराय, जितिन एमएस और लालरिनजुआला की एक मज़बूत अग्रिम पंक्ति थी।

शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जोरदार वार किए। रॉबिन्सन, प्रांजल और उर्जोय ब्रह्म ने एक तरफ गुरमीत की कड़ी परीक्षा ली, जबकि दूसरी तरफ अजराई, लालरिनजुआला और एंडी ने दैमारी को शानदार बचाव करने पर मजबूर किया। 17वें मिनट में, एंडी की दाई ओर से लगाई गई कर्लिंग फ्री किक लगभग गोल में पहुंच गई थी, लेकिन डायमेरी ने पास के पोस्ट पर गेंद को रोक दिया। 29वें मिनट में सफलता मिली। बोडोलैंड की रक्षात्मक चूक के कारण जिथिन एमएस ने दाईं ओर से आकर अजराई को पास दिया, जिन्होंने शांति से दैमारी को पछाड़कर घरेलू दर्शकों को शांत किया और चैंपियन को बढ़त दिला दी। इसके तुरंत बाद, स्थानापन्न अर्जुन मार्डी के पास बोडोलैंड के लिए बराबरी का सबसे अच्छा मौका था, लेकिन वह अपना प्रयास चूक गए, जबकि जूनियर ओन्गुएने को गुरमीत ने रॉबिन्सन के चतुर पास पर रोक दिया। हाईलैंडर्स हाफटाइम के समय अपनी बढ़त को दोगुना कर सकते थे, जब अजराए दैमारी के साथ आमने-सामने थे, लेकिन बोडोलैंड के गोलकीपर ने डटे रहकर फाउल किया, जिससे पहले हाफ के अंत में अंतर 1-0 पर बना रहा। बोडोलैंड ने मैच दोबारा शुरू होने के बाद आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन अंतिम तीसरे हिस्से में उनकी बढ़त की कमी 53वें मिनट में खली। ज़बाको द्वारा शुरू किए गए एक तेज़ मूव ने बाईं ओर से बुआंथांगलुन सामते को पास दिया, जिनके क्रॉस को एंडी गैटन ने बीच में रोक दिया। स्पेनिश खिलाड़ी का निचला शॉट दैमारी की उंगलियों में लगने के बावजूद गोल में पहुंच गया, जिससे न्यू एफ़सी की बढ़त दोगुनी हो गई और यह एंडी का अपनी नई टीम के लिए पहला गोल था। आठ मिनट बाद, अजाराई ने फिर से गोल किया। थोई सिंह के दाईं ओर से आए क्रॉस पर मोरक्को के इस खिलाड़ी ने गोलकीपर और डिफेंस को छकाते हुए, शांति से पोस्ट में गोल कर दिया और मैच का अपना दूसरा गोल दागकर मैच को 3-0 से बराबर कर दिया। अपने मुखर समर्थकों के उत्साह में, बोडोलैंड ने अंतर कम करने के लिए पुरज़ोर कोशिश की, लेकिन ज़बाको की अनुशासित नाकाम कर दिया।

पीसीबी ने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए टीम घोषित की, बाबर-रिजवान शामिल नहीं, आगा करेंगे कप्तानी

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान सलमान आगा को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में जगह नहीं मिली है। एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जाना है और बाबर खेल के छोटे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। ऐसे में उनका टीम में ना होना आश्चर्यजनक फैसला है।

वेस्टइंडीज दौरे पर अच्छा नहीं रहा था प्रदर्शन : वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में बाबर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने तीन मैचों में 56 रन बनाए थे जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 47 रन रहा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हुए फखर जमां को टीम में जगह मिली है। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले सईम अयूब और ऑलराउंडर हसन नवाज भी टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। हालांकि, तेज गेंदबाज नसीम शाह जिन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर सर्वाधिक विकेट लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। शाहीन शाह अफरीदी तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे जिसमें हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर और सलमान मिर्जा शामिल हैं। अबरार अहमद स्पिन विभाग का जिम्मा संभालेंगे जिसमें मोहम्मद नवाज, सुफियान मोकिम और खुशदिल शाह भी हैं। त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई की टीम हिस्सा लेगी। इसके मुकाबले 29 अगस्त से सात सितंबर तक शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में होंगे।

एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई में होना है। पाकिस्तान की टीम एशिया कप में ग्रुप ए में शामिल है जिसमें भारत, ओमान और यूएई भी मौजूद हैं। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होना है।

एलिसा हीली ने की भारतीय स्पिनरों की प्रशंसा, कहा- विश्व कप में हमें उनसे सावधान रहना होगा

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी खिलाड़ी एलिसा हीली ने माना है कि रिकॉर्ड आठवीं बार विश्व कप जीतने के लिए उनकी टीम को भारतीय उपमहाद्वीप में स्पिन गेंदबाजों की चुनौती से बड़े पैमाने पर निपटना होगा। महिला विश्व कप का आयोजन अगले महीने भारत और श्रीलंका में होगा। इस विश्व कप में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज पर सबकी निगाहें होंगी।

हीली की तूफानी पारी : हीली ने भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन मैचों की सीरीज के आखिरी वनडे में नाबाद 137 रन की पारी के साथ लय में वापसी की। उनकी इस पारी से टीम सांत्वना जीत दर्ज करने में सफल रही। हीली ने सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए।

स्पिनर्स की तारीफ : हीली ने सीरीज के दूसरे मैच में भी 91 रन की पारी खेली थी। वह अनुभवी स्पिनरों से सजी भारत ए के गेंदबाजों से निपटने में काफी सफल रहीं। भारत ए की टीम में राधा यादव, मिन्नु मणि, तनुजा कंवर और प्रेमा रावत जैसी स्पिनर शामिल थीं। प्रेमा तीसरे वनडे की अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं थी। हीली ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, भारत ए की इस की टीम में स्पिनरों की भरमार है। हमें आगामी विश्व कप में भी इसी तरह की टीमों का सामना करना पड़ेगा। वहां भी बीच के ओवरों में स्पिन का ही दबदबा रहेगा।

आखिरी मैच में क्या हुआ : ऑस्ट्रेलिया ए की महिला टीम ने भारत ए की महिला टीम को तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में नौ विकेट से हरा दिया। तीन मैचों की इस सीरीज में यह ऑस्ट्रेलिया की पहली जीत है। भारत ने शुरुआती दो मुकाबले जीते थे, यही वजह है कि टीम ने 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। रविवार को ब्रिस्बेन में खेले गए अंतिम वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 47.4 ओवर में 10 विकेट पर 216 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 27.5 ओवर में एलिसा हीली की 137 रनों की नाबाद पारी के दम पर 222 रन बनाए और 133 गेंदों के शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

ब्रेविस के अनुबंध विवाद पर सीएसके का बयान आने के बाद अश्विन की सफाई, बोले- मैंने फॉर्म को लेकर रखी थी राय

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने डेवाल्ड ब्रेविस के अनुबंध को लेकर दिए अपने बयान पर सफाई दी है। हाल ही में अश्विन ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर ब्रेविस के अनुबंध पर संकेत दिया था कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम ब्रेविस की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार थी जिसके बाद विवाद छिड़ गया था। हालांकि, सीएसके ने इस बारे में स्पष्टीकरण दिया था और अश्विन के दावे को खारिज कर दिया था।

क्या है मामला : सीएसके ने आईपीएल 2025 के बीच सत्र के दौरान तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर ब्रेविस को टीम में शामिल किया। सीएसके ने 2.2 करोड़ रुपये में ब्रेविस के साथ करार किया था। अश्विन ने दावा किया था कि इस युवा खिलाड़ी को उनकी मांग पर बड़ी धनराशि दी गई थी। हालांकि, सीएसके ने इस दावे को खारिज किया है और कहा है कि ब्रेविस के साथ करार आईपीएल के नियमनुसार ही किया गया था।

अश्विन बोले- बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बयान : सीएसके के स्पष्टीकरण के बाद अब अश्विन ने भी सफाई दी है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्होंने सिर्फ तथ्य बताए हैं और उनकी टिप्पणियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा कि अगर ब्रेविस के करार में कुछ गड़बड़ होती तो यह कदम नहीं उठाया जाता, क्योंकि अगर ऐसा होता तो आईपीएल इसे रोक देता। अश्विन ने कहा कि पिछले वीडियो में उनका इरादा ब्रेविस के मौजूदा फॉर्म के बारे में बात करना था।

अश्विन ने अपने बयान को लेकर दी स्पष्टीकरण : अश्विन ने कहा, हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां हमें सच्ची बातों पर भी स्पष्टीकरण देना पड़ता है। ऐसे में यह थोड़ा मुश्किल है। लेकिन मैं इस पर बात नहीं करूंगा। यहां किसी की कोई गलती नहीं है। इस मामले पर स्पष्टीकरण इसलिए दिया गया है क्योंकि बहुत से लोगों को संदेह था। मुद्दा यह है कि खिलाड़ी की कोई गलती नहीं है, फ्रेंचाइजी की कोई गलती नहीं है और शायद गवर्निंग बॉडी की भी कोई गलती नहीं है। हम सभी को यह समझना होगा कि अगर किसी फ्रेंचाइजी को किसी खिलाड़ी की जरूरत होती है, तो फ्रेंचाइजी उस खिलाड़ी या खिलाड़ी के एजेंट से बात करती है और बीसीसीआई से कहती है, देखिए, हमारा ये खिलाड़ी चोटिल है, हमें एक और खिलाड़ी चाहिए।

रोहित 45 की उम्र तक खेल सकते हैं, योगराज ने वनडे कप्तान के पांच साल और खेलने का समर्थन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा उस स्तर के खिलाड़ी हैं जो 45 साल की उम्र तक भी खेल सकते हैं। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है, लेकिन वह अभी वनडे में खेलते हैं। इस पर चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखेंगे

रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजर : रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रोहित के खेलने या नहीं खेलने पर क्रिकेट विशेषज्ञों की अलग राय है क्योंकि उनकी फिटनेस बड़ा मुद्दा रही है। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा आईपीएल में खेलते हैं।

योगराज ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके बारे में कई लोग बकवास करते हैं। वह जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, उसे देखिए। एक तरह उनकी बल्लेबाजी और दूसरी तरफ शेष टीम की बल्लेबाजी। एक तरफ उनकी पारी और दूसरी तरफ दुनिया में किसी अन्य बल्लेबाज की पारी। यह रोहित का क्लास है। आपको कहना चाहिए कि रोहिच आपकी हमें पांच साल और जरूरत है यार, इसलिए आप देश के लिए और भी योगदान दें। अपनी फिटनेस और सबकुछ पर मेहनत करें। चार आदमी उनके साथ लगाएं और सुबह 10 किमी तक दौड़ें। उनका स्तर ऐसा है कि अगर वह चाहें तो 45 साल की उम्र तक खेल सकते हैं।

घरेलू क्रिकेट में खेलने की दी सलाह : योगराज ने रोहित से खुद को फिट रखने के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह दी है। योगराज ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। वह जितना खेलेंगे, उतने ही फिट रहेंगे। फाइनल में कौन प्लेयर ऑफ द मैच रहा था रोहित शर्मा, इसलिए आपको सिर्फ उसी बारे में बात करनी चाहिए जिसे आप जानते हैं। अगर आपको उनके खेल और फिटनेस के बारे में बात करनी है, तो तभी करें जब आप किसी स्तर पर खेले हों। क्या आपको इस तरह बात करने में शर्म आती है।

रीवा में बंद चेक पोस्ट पर वसूली की आंखों देखी

आरटीओ कर्मचारी ने ड्राइवर को अकेले बुलाकर मांगे रुपए, नहीं दिए तो कई घंटे रोका ट्रक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राज्य में परिवहन चौकियों (चेक पोस्ट) को बंद करने के सरकारी आदेश के बावजूद, जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। हाल ही में एक ट्रक ड्राइवर ने नाम न छापने की शर्त पर एक बंद चेक पोस्ट पर अवैध वसूली का आंखों देखा हाल बताया, जो सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त परिवहन के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

यह है मामला: घटना मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सोहागी पहाड़ स्थित एक पुराने आरटीओ चेक पोस्ट की है। देर रात जब एक ट्रक माल लेकर गुजर रहा था, तो उसे सादे कपड़ों में कुछ लोगों ने रुकने का इशारा किया। उनमें से एक ने खुद को आरटीओ का कर्मचारी बताया और ड्राइवर को ट्रक से नीचे उतरकर केबिन में आने को कहा। ड्राइवर ने बताया कि मुझे केबिन के अंदर अकेले बुलाया गया। वहां बैठे व्यक्ति ने कोई आधिकारिक वर्दी नहीं पहनी थी। उसने सीधे-सीधे कहा कि %गाड़ी पास करानी है तो खर्चा-पानी देना होगा। जब मैंने पूछा कि चेक पोस्ट तो बंद हो चुके हैं, तो वह भड़क गया और बोला, नियम-कानून हमें मत सिखाओ, यहां से गाड़ी तभी आगे बढ़ेगी जब पैसा मिलेगा।

पैसे न देने पर घंटों रोका गया ट्रक: ड्राइवर ने जब अवैध रूप से पैसे देने से इनकार कर दिया, तो उसे परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। साथ ही ट्रक के कागजात ले लिए गए और उसे वहीं घंटों तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया गया। ड्राइवर ने बताया, सुबह के 4 बज गए थे, लेकिन उन्होंने मेरी गाड़ी नहीं छोड़ी। वे जानबूझकर परेशान कर रहे थे ताकि मैं हार मानकर उन्हें पैसे दे दूं। इससे मेरा पूरा शेड्यूल बिगड़ गया और समय पर माल पहुंचाने का दबाव भी बढ़ गया। कई घंटों की मानसिक प्रताड़ना के बाद, जब दूसरे वाहनों की आवाजाही बढ़ी, तो कर्मचारी ने ड्राइवर को आगे से ध्यान रखने की धमकी देकर जाने दिया।

बंद चेक पोस्ट, लेकिन वसूली का खेल जारी: यह घटना कोई अकेली नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार ने पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन चौकियों को बंद कर दिया था। इसका मकसद था कि वाहनों को बेवजह न रोका जाए और परिवहन सुगम हो। लेकिन, इस तरह की घटनाएं बताती हैं कि आरटीओ के कुछ कर्मचारी और स्थानीय दलाल मिलकर अभी भी पुराने ढर्रे पर अवैध वसूली का नेटवर्क चला रहे हैं। वे सुनसान जगहों पर ट्रकों को रोकते हैं और ड्राइवरों पर पैसे देने का दबाव बनाते हैं। इस मामले ने एक बार फिर परिवहन व्यवस्था में गहरे तक बैठे भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। ट्रांसपोर्टरों और ट्रक ड्राइवरों ने इस पर रोष व्यक्त किया है और सरकार से मांग की है कि ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि उनके लिए एक सुरक्षित और भय-मुक्त माहौल बन सके।

बाइक फिसलने से 2 नाबालिग घायल, रीवा रेफर

मऊगंज। लौर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक बाइक दुर्घटना में दो बालक घायल हो गए। घटना

बंजारी मोड़ पर दोपहर 3 बजे हुई। दौलतनगर निवासी 15 वर्षीय प्रभाकर वासुदेव अपने 10 वर्षीय साथी प्रधान वासुदेव को बाइक पर लेकर फरहदा जा रहा था। बंजारी मोड़ के पास प्रभाकर का बाइक से नियंत्रण खो गया। तेज रफ्तार में बाइक फिसल गई। इस हादसे में दोनों बालक घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को सिविल अस्पताल मऊगंज ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। प्रधान वासुदेव के हाथ में फ्रैक्चर होने के कारण उसे संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया गया।

मुक्तियारगंज स्वामी चौराहे पर आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में शनि की टीम ने मारी बाजी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुक्तियारगंज स्वामी चौराहे पर एक शानदार मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्थानीय समाजसेवी पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा द्वारा किया गया, जिसमें जिले की कुल 7 टीमों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस रोमांचक प्रतियोगिता में सभी टीमों ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में श्री शनि की टीम ने जीत हासिल की। उनकी टीम के शानदार प्रदर्शन और सामंजस्य ने दर्शकों का मन मोह लिया और वे 11,000 रुपये का उचित नकद इनाम जीतने में सफल रहे। यह इनाम समाजसेवी श्री शिवा ने विजयी टीम को प्रदान किया। इनाम वितरण के दौरान समाजसेवी श्री शिवा ने कहा कि यह आयोजन हर साल किया जाएगा। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी वार्ड वासियों का हृदय से धन्यवाद किया।

महारास की सत्यानुभूति के साथ जन्मोत्सव सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्रीकृष्णा पाथेय न्यास के वैनर तले संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा रामजानकी शक्तिपीठ पुरानीलंका चित्रकूट में कृष्ण पर्व के उपलक्ष्य में संयोजक उत्तम पांडेय के संयोजकत्व में आयोजित घर-घर गोकुल घर-घर गोपाल की अवधारणा को साकार करने कृष्ण के लीलामय जीवन की विविधता के साथ सांस्कृतिक संध्या की बेला में पारंपरिक भजनों की अनुपम प्रस्तुति में श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव सैकड़ों विद्वतजनों एवं साधू संतों की उपस्थिति में साक्षात् दृष्टिगोचर होते हुए बड़े ही धूम -धाम से सम्पन्न हुआ।

गोपियों में लोप, गोप लीलाधारी - श्रीमद जगतगुरु: आयोजन की सफलता के शुभ आशीर्वाद स्वरूप शक्तिपीठ पीठाधीश्वर रामानुजाचार्य श्रीमद जगतगुरु जी प्रदेश के मनीषी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को साधुवाद देते हुए कहा कि कला हो या दर्शन, श्रृंगार हो या वैराग्य, नीति हो या फिर प्रेम सभी में गोपाल कृष्ण का कोई सानी नहीं है। सोलह कलाओं से सज्जित मुरलीधर की लीला जगत प्रसिद्ध है। स्वामी जी ने कहा कि नटवर नटखट नंदलाल मखनचोर कृष्ण से द्वारकाधीश बनने के साथ योगेश्वर स्वरूप में निर्गुण निराकार होकर भी सगुण साकार का दर्शन दिव्य है। महारास लीला ही सत्यानुभूति है, यहां योगी योगेश्वरकारक हैं, क्योंकि कहा जाता है कि त्रेता के ऋषि गण ही गोपियों के प्रतीक हैं स्वयं शिव जी गोपेश्वर हैं। इस तरह गोपियों में लोप,गोप लीलाधारी की लीला अनंत है।

20 फीट ऊंची मटकी फोड़कर युवाओं ने जीता पुरस्कार, राधा-कृष्ण बने स्कूली बच्चे

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में मटकी फोड़ प्रतियोगिताएं हुईं। सराय मोहल्ले के बजरंग दल के युवाओं ने 20 फीट की ऊंचाई पर रखी मटकी फोड़कर 11 हजार रुपए का पुरस्कार हासिल किया। नगर में घंटाघर, बड़ा अखाड़ा, पुरानी बस्ती और देवीजी क्षेत्र में मटकी फोड़ प्रतियोगिताएं हुईं। वेद विद्यालय बड़ा अखाड़ा में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। घंटाघर पर हुई प्रतियोगिता में विजेता टीम को 11 हजार रुपए मिले।

बच्चों ने धारण किया राधा-कृष्ण का रूप: स्कूलों में जन्माष्टमी के मौके पर छात्रों ने राधा-कृष्ण का रूप धारण किया। बच्चों ने कृष्ण के बाल्यकाल पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का आयोजन रामप्रकाश चौरसिया, जितेंद्र कुशवाहा और शारदा मिश्रा समेत स्थानीय लोगों ने किया।

लोगों ने आतिशबाजी कर बनाया उत्सव: नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह और थाना प्रभारी ने सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। पशुपालन विभाग ने कृषि और गौ संवर्धन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए। रात में लोगों ने घरों में आतिशबाजी कर उत्सव मनाया।

उप मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर जनपद गंगेव में आयोजित किया गया भव्य समारोह

उप मुख्यमंत्री ने गंगेव में 6.10 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के जन्मदिवस के अवसर पर जनपद पंचायत गंगेव के परिसर में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने 6 करोड़ 10 लाख 60 हजार रूपये का निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इसमें जनपद पंचायत के 5.25 करोड़ की लागत से बन रहे भवन का भूमिपूजन तथा अटल सभागार का लोकार्पण भी शामिल था। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता लोकतंत्र की आधार है। लोकतंत्र में जनता के मतों से चुनकर ही जनप्रतिनिधि को पद मिलता है। यह पद जनता की सेवा के लिए

होता है। जनता की सेवा करना मेरा धर्म है। आमजनता ने पिछले 21 वर्षों से लगातार जो आशीर्वाद दिया है उसका मोल चुकाने के लिए मैं दिन रात विन्ध्य और रीवा के विकास का प्रयास कर रहा हूँ। विकास में विन्ध्य को लगातार उपेक्षा झेलनी पड़ी जब हमारी पार्टी की सरकार बनी तो प्रयास करके बाणसागर बाध का निर्माण कार्य पूरा कराया गया। इसकी नहरों ने विन्ध्य में विकास की नई इबारत लिख दी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, खेती और अन्य क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है। अब रीवा के सोलर प्लांट से दिल्ली की मेट्रो दौड़ रही है। फोरलेन सड़के, फ्लाईओवर, सुंदर तालाब, रिवर फ्रंट सहित अनेक निर्माण कार्यों ने रीवा शहर को विकास के नये आयाम दिये हैं। मुकुन्दपुर में हमने सफेद बाघों को पुनः स्थापित किया। जनता के आशिर्वाद से रीवा और विन्ध्य को विकास की दौड़ ने अब्वल बनायेंगे। रीवा एयरपोर्ट से अक्टूबर माह से इंदौर और दिल्ली के लिए 72 सीटर हवाई जहाज चलेंगे। जनता ने हमें जो आशीर्वाद दिया है उसका मोल हम जनता की सेवा और विकास कार्यों के माध्यम से चुकायेंगे। समारोह में जनपद गंगेव के सदस्यों ने लड्डुओं से तौलकर उप मुख्यमंत्री का सम्मान किया तथा जन्मदिन की बधाई दी।

आयुक्त के आदेश पर श्रम दान का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। धार्मिक स्थानो में स्वच्छता को लेकर सतना आयुक्त ने श्रम दान के तहत एक आदेश पारित किया गए है जिसमे कई धार्मिक स्थानों में श्रम दान कर स्वच्छता का संदेश देने के उद्देश्य के तहत डॉ.शेर सिंह मीना,आयुक्त नगर पालिक निगम सतना के आदेशानुसार नोडल अधिकारी सत्यम मिश्रा,उपायुक्त नगर पालिक निगम सतना के निर्देशन में 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर नगर पालिक निगम सतना द्वारा शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जगतदेव तालाब, वेंकटेश मंदिर, श्री बिहारी मंदिर, बिहारी चौक, 4. श्री राधामाधव मंदिर (इस्कॉन) में आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में नगर पालिक निगम सतना के अधिकारी,कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सामूहिक प्रयास से सभी स्थानों पर व्यापक साफ-सफाई की गई और उपस्थित लोगों ने स्वच्छता शपथ भी ली।

उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह व अनेक अन्य हुए सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 79 वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर आयोजित सतना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति से ओत प्रोत मनमोहक कार्यक्रमों के उपरांत कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस. एवं एस.पी.आशुतोष गुप्ता द्वारा जिला स्तर पर अनेक लोगों एवं संस्थाओं को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में अनेक संस्थाओं अनेक व्यक्तियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में परेड कार्यक्रम,सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पारितोषिक वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में नगर पालिक निगम सतना के इंजी.धर्मेंद्र सिंह परिहार व अनेक अन्य जन सम्मानित हुए। कार्यक्रम में अनेक उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जो की पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, जिला पंचायत, नगर पालिक निगम, सरदार वल्लभभाई पटेल अस्पताल, आई.टी.आई.सतना, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, परिवहन विभाग,शासकीय महाविद्यालय,शासकीय विद्यालय, अनेक अन्य शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं,अनेक विद्यालय के अनेक व्यक्ति एवं संस्थाएं अपने द्वारा निर्वहन किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित हुए।

बढ़ेगीं आगे बेटियां-बढ़ेगा आगे समाज, मातृभूमि को नमन करके मातृशक्ति ने फहराया तिरंगा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। देश के अमृत वर्ष में 79 वें गणतंत्र दिवस पर कोमल आडवानी,डॉ. टिंकल वाधवानी, डॉ. हर्षा रमानी,डॉ. काजल बजाज डॉ. मनीषा सोई ने अमर शहीद हेमू कलानी पार्क परिसर में सामूहिकता की मिसाल पेश करते हुए एक साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया राष्ट्र गान जन गण मन से पार्क देश प्रेम में सराबोर होकर गूंज उठा। अतिथियों ने परिसर में ही स्थापित अमर शहीद हेमू कालानी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया

अतिथि सम्मान मे स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्था संरक्षक गोपी गेलानी ने संस्था द्वारा विगत 32 वर्षों मे समाज हित मे किए जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी दी।संस्था सदस्यों द्वारा माननीय अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट करके किया गया। रेडीमेड वस्त्र व्यापारी संघ की अध्यक्ष अशोक वाधवानी ने आजादी पर्व की शुभकामना देते हुए शानदार गीत की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया, कोमल आडवानी ने अपने उद्बोधन में सिन्धु विकास समिति द्वारा समाज की बेटियों को दिए गए आदर सम्मान की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में कहीं भी पुरुषो से पीछे नहीं है और जिस समाज की बेटियां आगे बढ़ती हैं वह समाज निश्चित ही आगे बढ़ेगा।

डॉ. काजल बजाज ने महान देश भारत मे अपने जन्म को भाग्यशाली बताते हुए आजादी के बाद की प्रगति और राष्ट्रीयध्वज को लहराते देख गर्व महसूस करने की बात सबसे साझा की। डॉ. टिंकल वाधवानी ने भारत देश की सतना की पावन धरती पर जन्म लेने पर गर्व महसूस करते हुए सिन्धू विकास समिति को अपने आतिथ्य हेतु साधुवाद दिया। कार्यक्रम के अतिथियों एवं मनदीप सिंह [मनी] को समिति परिवार द्वारा सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष विनोद गेलानी ने किया आभार संस्था के संरक्षक श्रीचंद मनवानी ने व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण हेतु अपनी माटी, अपने गणेश बनाने का लिया संकल्प

जन अभियान परिषद की माटी गणेश सिद्ध गणेश की कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वाधान ने माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान की प्रदेश व्यापक पहल की प्रारंभ की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में पर्यावरण के प्रति सजगता और चेतना को विस्तार देना है। जिससे जन भागीदारी के माध्यम से धार्मिक परंपराओं के साथ माटीकला को संरक्षण मिल सके। इस अभियान के तहत मध्यप्रदेश के 313 विकासखंडों में जन अभियान परिषद के द्वारा कार्यशाला आयोजित की जा रही है। आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षकों के माध्यम से मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित कर माटी से

स्वनिर्मित गणेश प्रतिमा की स्थापना का संकल्प जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। जिससे परंपरागत कला के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण अभियान की गति मिल सके।

इस दौरान मैहर विकासखंड में आयोजित माटी गणेश सिद्ध गणेश कार्यशाला में जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी ने बताया कि जन अभियान परिषद द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों में सतना जिले के पांच और मैहर जिले के तीन विकासखण्डों में यह कार्यशाला आयोजित होगी। इस कार्यशाला के माध्यम से परिषद के नेटवर्क से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करेंगे। जिससे वह स्वयं की माटी और स्वयं के शुद्ध जल का प्रयोग करते हुए पवित्र गणेश का निर्माण कर सके और आने वाली गणेश चतुर्थी में अपने घरों में बुद्धि और सिद्ध दाता गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर सके।

इस अभियान के माध्यम से यह संकल्प है कि हम जन-जन में पर्यावरण की सुरक्षा का यह विचार पहुंचा कर माटी के गणेश बनाने हेतु गांव वासियों को प्रोत्साहित करेंगे। साथ ही उन्हें इस बात के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे कि वह अपने हाथ से बनाई हुई माटी के गणेश का विसर्जन भी अपने घर के ही आस-पास के कुएं या प्रतीकात्मक आंगन में तुलसी के पास बने हुए जल स्रोत पर करें। जिससे मुख्य जल स्रोतों पर अनावश्यक भार ना पड़े। इस अभियान के माध्यम से हम सब यह विचार भी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है कि हम प्लास्टर ऑफ पेरिस अथवा अन्य प्लास्टिक से बने हुए गणेश प्रतिमाओं का उपयोग न करें। जिसमें केमिकल रंगों का प्रयोग किया गया है। विसर्जन के उपरांत यही केमिकल और प्लास्टिक हमारे जल स्त्रोतों को प्रदूषित करता है। परिणाम स्वरुप जल में रहने वाले जीव जंतुओं को इसका दुष्परिणाम भुगतना पड़ता है और उसे जल स्त्रोत का उपयोग करने वाले प्राणी भी इस जल प्रदूषण का शिकार होते हैं। आयोजित कार्यशाला में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मनोज शुक्ला, अरविंद गर्ग, अरविंद गर्ग, कल्पना सिंह, रोहित द्विवेदी, शिवकुमार पटेल एवं नवांकुर सखियों, प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी सहित सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पर्यावरण संरक्षण टीम एवं स्वच्छता टीम को महापौर ने 11 हजार से सम्मानित करने की किया घोषणा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम सतना प्रांगण में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने ध्वजारोहण कर उपस्थित नगर निगम परिवार को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर महापौर ने उत्कृष्ट कार्य के लिए निगम की पर्यावरण संरक्षण टीम एवं स्वच्छता टीम को व्यक्तिगत तौर पर 11-11 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की।

इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य आदित्य यादव, पार्षद सूर्यपाल सिंह, माया देवी कोल, तिलकराज सोनी,वरिष्ठ समाजसेवी शारदा तिवारी,अनिल गुप्ता, बालकृष्ण शुक्ला, अजय सिंह मिंटू,उपायुक्त सत्यम मिश्रा,अधीक्षण यंत्री एस.के. सिंह के साथ-साथ बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।